

दैनिक
लद्दाख टुडे

MALABAR GOLD & DIAMONDS

वर्ष: 01 अंक: 25 | लद्दाख, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ: 8 मूल्य 2 रुपए | RNI NO.: LAHIN/26/A7900

जेएंडके में पीएम स्पेशल स्कॉलरशिप स्कीम ने सालाना लक्ष्य का 94.3 प्रतिषत किया हासिल

लद्दाख टुडे संवाददाता

जम्मू। एक अधिकारी ने मगलवार को बताया कि प्रधानमंत्री स्पेशल स्कॉलरशिप स्कीम (पीएमएसएसएस) ने जम्मू–कश्मीर में एकेडमिक सेशन 2026–27 के लिए अपने सालाना लक्ष्य का 94.3 प्रतिशत हासिल कर लिया है। इसके तहत 5,000 के लक्ष्य के मुकाबले 4,715 स्कॉलरशिप दी गई हैं।

पीएमएसएसएस, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) की काउंसलिंग प्रक्रिया के जरिए जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के छात्रों को इन केंद्र शासित प्रदेशों के बाहर के संस्थानों में अंडरग्रेजुएट पढ़ाई करने का मौका देती है। इसमें पढ़ाई की फीस और रहने–खाने के खर्च के लिए आर्थिक

■ शेष पेज 2...

मोदी ने कहा कि भारत दुनिया के साथ आगे बढ़ता है, किसी और का नुकसान करके नहीं

मजबूत आर्थिक आधार का किया ज़िक्र



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मगलवार को कहा कि भारत की आर्थिक वृद्धि मजबूत आधार और लगातार सुधारों पर टिकी है। उन्होंने कहा कि देश दूसरे देशों का नुकसान करके नहीं, बल्कि सबकी तरक्की के जरिए दुनिया भर में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाना चाहता है।

मोदी ने कहा, हम किसी और का नुकसान करके आगे नहीं बढ़ते। हम दुनिया के साथ और दुनिया के लिए आगे बढ़ते हैं। उन्होंने भू–राजनीतिक तनाव, व्यापार में रुकावट और अहम टेक्नोलॉजी व संसाधनों के लिए बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को एक भरोसेमंद आर्थिक साझीदार के तौर पर पेश किया।

ब्लूमबर्ग इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए, उन्होंने देश की मजबूती के सबूत के तौर पर अप्रैल–जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि, 700 अरब डॉलर से ज़्यादा का विदेशी मुद्रा भंडार और टैक्स, दिवालियापन व श्रम कानूनों में सुधारों का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, अनिश्चितताओं से भरी इस दुनिया में, भारत भरोसे और स्थिरता की मिसाल है। उन्होंने कहा, इस साल, अप्रैल से जून तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि 7.8 प्रतिशत रही। और यह वृद्धि एक मजबूत आधार पर हो रही है। उन्होंने मजबूत मैक्रो–इकोनॉमिक आधार का ज़िक्र किया, जिसमें भारत के चालू खाता घाटे में भारी कमी शामिल है– जो 12–13 साल पहले 4 प्रतिशत से ज़्यादा था, वह अब लगभग आधा प्रतिशत रह गया है।

मोदी ने कहा कि आर्थिक और तकनीकी ताकत को सिर्फ इस आधार पर नहीं मापा जाना चाहिए कि किसी देश के पास कितनी ताकत है, बल्कि इस आधार पर मापा जाना चाहिए कि वह दूसरों के लिए कितने असरदार तरीके से मौके बनाता है। उन्होंने कहा, असली सवाल यह नहीं है कि ताकत किसके पास है। असली सवाल यह है कि इस ताकत का इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? उन्होंने अपने नजरिए को सशक्त बनाने की ताकत के तौर पर बताया।

प्रधानमंत्री ने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम और साफ–सुथरी ऊर्जा क्षमता का ज़िक्र

■ शेष पेज 2...

सीएम उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में दरबार मूव की तैयारियों का लिया जायजा

लद्दाख टुडे संवाददाता

जम्मू/श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज एक हाई–लेवल मीटिंग में दरबार मूव सेशन 2026–27 की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे श्रीनगर से जम्मू तक ऑफिसों को आसानी से, सुरक्षित और बेहतर तालमेल के साथ शिफ्ट करने के साथ–साथ कर्मचारियों के लिए जरूरी सुविधाएं भी सुनिश्चित करें।



मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी, चीफ सेक्रेटरी अटल डुल्लू, एस्टेट्स विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी शालीन काबरा, पावर डेवलपमेंट विभाग के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी अश्विनी कुमार, मुख्यमंत्री के एडिशनल चीफ सेक्रेटरी धीरज गुप्ता, एडमिनिस्ट्रेटिव सेक्रेटरी, जेएंडके ट्रैफिक पुलिस के आईजी, कश्मीर और जम्मू के डिविजनल कमिश्नर, श्रीनगर और

■ शेष पेज 2...

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सिविल सचिवालय में कई प्रतिनिधिमंडलों और लोगों से मुलाकात की

लद्दाख टुडे संवाददाता

श्रीनगर, 13 अक्टूबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज यहां सिविल सचिवालय में कई प्रतिनिधिमंडलों और लोगों से मुलाकात की और फिल्म प्रमोशन, इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर, क्षेत्रीय विकास, शिक्षा और युवाओं के सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। मुंबई की एटीवलॉक फिल्म्स से जुड़े फिल्म निर्माता ओनिर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और जम्मू–कश्मीर में फिल्म सेक्टर के प्रमोशन और विकास से जुड़े मामलों पर चर्चा की।



IRCON के जनरल मैनेजर लोकेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की और जम्मू–कश्मीर में इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास में एचआरसीटीसी इंटरनेशनल लिमिटेड की भूमिका

■ शेष पेज 2...

रामबन में ट्रक खाई में गिरा, ड्राइवर की मौत और कंडक्टर घायल

लद्दाख टुडे संवाददाता

रामबन। अधिकारियों ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात जम्मू–श्रीनगर नेशनल हाईवे पर नचलाना के पास एक ट्रक के खाई में गिर जाने से ड्राइवर की मौत हो गई और कंडक्टर घायल हो गया।

एक अधिकारी ने बताया कि श्रीनगर से गुजरात जा रहा ट्रक (रजिस्ट्रेशन नंबर आरजे०9जीएफ/ 2267) बनिहाल

■ शेष पेज 2...



Created by Universal Document Converter

जंतर–मंतर से दूर होते प्रतिरोध के ठिकाने

महेन्द्र तिवारी

लोकतंत्र की जीवतता केवल इस बात से तय नही होती कि संसद के भीतर सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच कितनी सार्थक बहस होती है, बल्कि यह भी इसकी असली कसौटी यह है कि संसद के बाहर सड़को पर आम नागरिक की आवाज को कितनी गंभीरता और सहजता से सुना जाता है। देश की राजधानी नई दिल्ली के हृदय स्थल मे स्थित जंतर मंतर पिछले 33 वर्षो से इसी लोकतांत्रिक चेतना, जन आक्रोश और नागरिक उम्मीदो का सबसे बड़ा केंद्र रहा है। किंतु अब केंद्रीय गृह मत्रालय द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति की सिफारिशो के आधार पर दिल्ली पुलिस ने एक ऐतिहासिक बदलाव करते हुए जंतर मंतर को अधिकृत प्रदर्शन स्थलों की सूची से बाहर कर दिया है। 28 अप्रैल 2022 के पुराने स्थायी आदेश मे संशोधन करते हुए अब राजधानी मे धरना और प्रदर्शन के लिए तीन नए स्थान निर्धारित किए गए है, जिनमे मध्य दिल्ली का रामलीला मैदान, उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित व्यावसायिक केंद्र मैदान शामिल है। प्रशासन के इस एक निर्णय ने तीन दशको से चली आ रही प्रतिरोध की एक पूरी परपरा को विराम दे दिया है और साथ ही लोकतांत्रिक अधिकारो तथा प्रशासनिक व्यवस्था के बीच के द्वंद्व पर एक नई बहस छेड़ दी है।

जंतर मंतर का यह परिसर केवल 18वी सदी के खगोलीय यंत्रो का स्मारक मात्र नही था, बल्कि यह आधुनिक भारत के सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों की सबसे बड़ी प्रयोगशाला बन चुका था। वर्ष 1993 से लेकर 2026 तक के अपने 33 वर्षों के सफर मे इस छोटे से मार्ग ने अनगिनत ऐतिहासिक बदलावो की नींव रखी। चाहे वर्ष 2011 का भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल आदोलन हो, वर्ष 2012 मे निर्भया कांड के बाद उमड़ा युवाओ का स्वतःस्फूर्त जनसैलाब हो, वर्ष 2015 मे पूर्व सैनिको का वन रैंक वन पेंशन आंदोलन हो या फिर वर्ष 2023 में महिला पहलवानो का लंबा सघर्ष, जंतर मंतर ने हर वर्ग की पीड़ा को राष्ट्रीय पटल पर रखने का मच प्रदान किया। देश के सुदूर कोनो से आने वाले किसानों, मजदूरो, छात्रों, शिक्षको और वंचित वर्गों के लिए यह स्थान एक ऐसी उम्मीद की तरह था, जहाँ खड़े होकर वे सीधे सत्ता के शीर्ष से संवाद करने का अहसास पाते थे। संसद भवन से मात्र 1 से 1.5 किलोमीटर की दूरी पर होने के कारण यहाँ उठने वाली हर आवाज की गूज नीति निर्माताओ के कानो तक आसानी से पहुँच जाती थी। समाचारपढे

इस ऐतिहासिक स्थल से प्रदर्शनो को हटाने के पीछे प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों के अपने ठोस तर्क हैं। तात्कालिक कारणों पर नजर डाले तो वर्ष 2026 के जून और जुलाई माह मे प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता और शिक्षा सुधारो की मांग को लेकर लगभग 36 दिनों तक चला विशाल छात्र आंदोलन इस फैसले का मुख्य आधार बना। उस आंदोलन के दौरान जंतर मंतर की सीमित क्षमता के विपरीत 1 लाख से अधिक प्रदर्शनकारी जुट गए थे। जब



इस भारी भीड़ ने संसद भवन की ओर कूच करने का प्रयास किया, तो सुरक्षा व्यवस्था चरमरा गई और पुलिस तथा छात्रो के बीच हुई झड़पो मे 118 पुलिसकर्मियों सहित दर्जनो छात्र घायल हुए। इसके अतिरिक्त, हाल ही मे मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के मुद्दे पर राजनीतिक दलो और युवा सगठनो द्वारा फिर से जंतर मंतर पर बड़े घेराव की तैयारी की जा रही थी। नए संसद भवन और कर्तव्य पथ के आसपास अति विशिष्ट व्यक्तियों के निरंतर आवागमन और संवेदनशील मत्रालयों की सुरक्षा को देखते हुए पुलिस का मानना है कि इतनी कम दूरी पर अनियंत्रित भीड़ का जुटना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा जोखिम है।

सुरक्षा के अलावा स्थानीय व्यापारियों और आम नागरिक ो की दैनिक परेशानिया भी इस बदलाव का एक बड़ा कारण बनी हैं। जंतर मंतर राजधानी के सबसे बड़े व्यावसायिक केंद्र कनॉट प्लेस और जनपथ के ठीक बगल मे स्थित है। जब भी यहाँ कोई बड़ा प्रदर्शन होता था, तो एतियात के तौर पर आसपास की मुख्य सड़के और रेल के भूमिगत स्टेशन बंद कर दिए जाते थे। इससे न केवल घटो लबा यातायात जाम लगता था, बल्कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे की ओर जाने वाले हजारो यात्रियो की गाड़िया छूट जाती थी। स्थानीय व्यापार मडलो ने लंबे समय से यह शिकायत की थी कि लगातार होने वाले धरनों और नाकेबंदी के कारण कनॉट प्लेस के व्यापार को करोड़ो रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी पूर्व मे यह सुझाव दिया था कि प्रदर्शनो के लिए ऐसी खुली और बड़ी जगह तलाशी जानी चाहिए जहाँ आम जनजीवन प्रभावित न हो तथा प्रदर्शनकारियो के लिए पेयजल, शौचालय और चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराई जा सके।

किंतु इस प्रशासनिक सुविधा के दूसरे पहलू पर नजर डाले तो नागरिक अधिकार सगठनों और संविधानविदों की चिंताए अत्यत गभीर और विचारणीय है। राजधानी मे सत्ता के केंद्र से जन आदोलनों को दूर धकेलने की यह प्रवृत्ति नई नही है, बल्कि पिछले चार दशको मे विरोध का पता तीन बार बदला जा चुका है। वर्ष 1988 तक इंडिया गेट के पास स्थित बोट क्लब देश के सबसे बड़े प्रदर्शनो का केंद्र हुआ करता था, जहाँ से संसद और राष्ट्रपति भवन सीधे दिखाई देते थे। अक्टूबर 1988 मे चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत के नेतृत्व में जब 5 लाख किसानो ने एक सप्ताह तक बोट क्लब पर डेरा डाला, तो सरकार ने सुरक्षा और व्यवस्था का हवाला देकर वहा प्रदर्शनो पर स्थायी रोक लगा दी और वर्ष 1993 मे जंतर मंतर को नया विकल्प बनाया गया। वर्ष 2017 मे राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने पर्यावरण और ध्वनि प्रदूषण के नियमो का हवाला देकर जंतर मंतर पर भी आंशिक पाबदिया लगाई, और अब वर्ष 2026 मे इसे पूरी तरह से सूची से हटा दिया गया है।

बोट क्लब से जंतर मंतर और अब जंतर मंतर से बुराड़ी तथा कड़कड़डूमा के मैदानों तक का यह सफर वास्तव मे सत्ता के गलियारो से आम जनता की भौतिक और मनोवैज्ञानिक दूरी बढ़ने की कहानी है। लोकतंत्र मे किसी भी शातिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का मूल उद्देश्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना और राष्ट्रीय समाचार माध्यमो के जरिए अपनी बात देश के सामने रखना होता है। जंतर मंतर की भौगोलिक स्थिति इसे यह विशेष महत्व देती थी कि वहा बैठा सौ लोगो का एक छोटा समूह भी राष्ट्रीय चर्चा का विषय बन जाता था। इसके विपरीत, उत्तरी दिल्ली का बुराड़ी मैदान या पूर्वी दिल्ली का कड़कड़डूमा क्षेत्र मुख्य प्रशासनिक केंद्र से 15 से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। बाहरी इलाको मे प्रदर्शनो को स्थानातरित करने से प्रशासन को भीड़ प्रबधन मे तो आसानी होगी, लेकिन इससे जन आदोलनो की दृश्यता और प्रभावशीलता कम होने का पूरा अदेशा है। जब विरोध की आवाज सत्ता के केंद्र से बहुत दूर किसी कोने मे सिमट जाती है, तो उसकी अनदेखी करना तंत्र के लिए बहुत आसान हो जाता है।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(1)(क) और 19(1)(ख) देश के प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शातिपूर्ण और निशस्त्र सम्मेलन करने का मौलिक अधिकार प्रदान करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी वर्ष 2018 के मजदूर किसान शक्ति सगठन बनाम भारत सघ मामले मे स्पष्ट रूप से कहा था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर नागरिको के विरोध करने के अधिकार को पूरी तरह से निष्प्रभावी या अर्थहीन नही बनाया जा सकता। शासन का यह दायित्व है कि वह सुरक्षा और नागरिक स्वतंत्रता के बीच एक स्वस्थ सतुलन कायम करे। यदि सुरक्षा चुनौतियों और शहरी यातायात के दबाव के कारण जंतर मंतर से प्रदर्शनो को हटाना अपरिहार्य ही था, तो सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि रामलीला मैदान, बुराड़ी और कड़कड़डूमा के नए स्थलों पर आने वाले नागरिको की आवाज अनसुनी न रहे। लोकतंत्र की गरिमा इसी मे है कि प्रदर्शन का मैदान भले ही बदल जाए, लेकिन जनता की पीड़ा को सुनने की सत्ता की सवेदनशीलता कभी कम न हो।

शेष पेज 1 से

जेएंडके में पीएम ...

मदद भी दी जाती है। इस स्कीम का मकसद युवाओं के लिए अच्छी क्वालिटी की हायर एजुकेशन तक पहुच बढ़ाना, स्किल्स को बेहतर बनाना और रोजगार के मौके बढ़ाना है।

एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि मौजूदा एकेडमिक सेशन 2026द्ध27 के दौरान, जनरल डिग्री कोर्स में 2,070 के लक्ष्य के मुकाबले 1,894 स्कॉलरशिप, प्रोफेशनल कोर्स में 2,830 के लक्ष्य के मुकाबले 2,741 स्कॉलरशिप और मेडिकल व बीडीएस कोर्स में 100 के लक्ष्य के मुकाबले 80 स्कॉलरशिप दी गई हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा उपलब्धि पिछले तीन एकेडमिक सेशन के पूरे साल के आकड़ों की तुलना में काफी ज्यादा है।

पीएमएसएसएस के तहत 2023द्ध24 में 3,627, 2024द्ध25 में 3,674 और 2025द्ध26 में 3,585 लाभार्थियों को लाभ मिला था। प्रवक्ता ने बताया कि इस साल दी गई स्कॉलरशिप की सख्या 2025द्ध26 के आकड़े से पहले ही 1,190 ज्यादा है, जो लगभग 31.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाती है। उन्होंने कहा कि जेके सरकार का हायर एजुकेशन डिपार्टमेंट केंद्र शासित प्रदेश में पीएमएसएसएस को लागू करने में मदद और तालमेल बिठा रहा है। इसमें रजिस्ट्रेशन और काउंसलिंग समय पर शुरू करना, साथ ही छात्रों के लिए फैसिलिटेशन सेंटर और फैसिलिटेशन–कम–डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन सेंटर के जरिए मदद पहुचाना शामिल है। उन्होंने कहा कि यह विभाग, यूटी–स्तर की समीक्षा समिति के जरिए इस स्कीम के तहत वेरिफिकेशन और समीक्षा की प्रक्रिया में भी अहम भूमिका निभाता है। इस समिति के प्रमुख उच्च शिक्षा विभाग के कमिश्नर–सेक्रेटरी होते हैं और जेके के डायरेक्टर (कॉलेजेज़) इसके सदस्य–सचिव होते हैं।

मोदी ने कहा कि ...

करते हुए बताया कि कैसे घरेलू क्षमताए समावेशी विकास में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा कि भारत डिजिटल पहचान, पेमेंट और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अपने अनुभव को सहयोगी देशो, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के साथ साझा कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारे लिए सुधार कोई मजबूरी नही हैं। सुधार हमारा सकल्प हैं। मोदी ने यह भी चेतावनी दी कि सप्लाई चेन, एनर्जी, जरूरी मिनरल, पेमेंट सिस्टम और टेक्नोलॉजी तेजी से जियोपॉलिटिकल दबाव के हथियार बनते जा रहे है, जिससे भरोसेमद पार्टनर और मजबूत इकोनॉमिक सिस्टम और भी जरूरी हो गए है।

उन्होंने कहा, ये सभी जबरदस्ती और दबाव डालने के साधन बनते जा रहे हैं। ये बाते ऐसे समय मे कही गई है जब भारत निवेश आकर्षित करने, ग्लोबल सप्लाई चेन में अपनी भूमिका बढ़ाने और उभरते बाजारों के साथ इकोनॉमिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। मोदी ने देश की ग्रोथ को न केवल घरेलू इकोनॉमिक उपलब्धि के तौर पर, बल्कि दूसरी इकोनॉमीज के लिए टेक्नोलॉजी, टैलेंट और समाधान के संभावित स्रोत के तौर पर भी पेश किया।

उन्होंने भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्टार्टअप इकोसिस्टम, बढ़ती क्लीन–एनर्जी क्षमता और बेहतर होते मैक्रो–इकोनॉमिक इंडिकेटर्स पर जोर देते हुए कहा कि देश का उदय जियोपॉलिटिकल तनाव, सप्लाई–चेन में रुकावट और जरूरी टेक्नोलॉजी और ससाधनों को लेकर बढ़ते कॉम्पिटिशन के बीच समावेशी विकास का एक मॉडल पेश करता है। उन्होंने कहा, शक्ति का मतलब सशक्त बनाना है और तर्क दिया कि इकोनॉमिक और टेक्नोलॉजिकल ताकत का असली पैमाना यह है कि यह कितनी असरदार ढग से लोगों के जीवन को बेहतर बना सकती है, मौके बढ़ा सकती है और दूसरे देशों को साझा चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकती है।

ये बाते ऐसे समय मे कही गई है जब भारत तेजी से बंटती ग्लोबल इकोनॉमी के बीच एक बड़े ग्रोथ इजन और वैकल्पिक मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी हब के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। मोदी ने कहा कि भारत डिजिटल पेमेंट, डिजिटल पहचान और पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में अपनी विशेषज्ञता साझा करके इंटरनेशनल पार्टनरशिप को गहरा करना चाहता है, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के साथ।

सीएम उमर अब्दुल्ला ...

जम्मू के डिप्टी कमिश्नर, डायरेक्टर (इन्फॉर्मेशन) और अन्य सीनियर अधिकारी शामिल हुए। जम्मू मे तैनात अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मीटिंग में शामिल हुए।

शुरुआत में, जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट (जीएडी) के कमिश्नर–सेक्रेटरी एम राजू ने श्रदरबार मूव्ह काफिले के लिए ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी तैयारियों पर डिटेल्ड प्रेजेंटेशन दिया। मुख्यमंत्री ने जेकेआरटीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर और ट्रैफिक विभाग को निर्देश दिया कि वे बसों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें और कर्मचारियों व सामान की सुरक्षित और सुचारू आवाजाही के लिए 31 अक्टूबर और 1 नवबर, 2026 को लगातार दो दिनों में श्रडाल्ल काफिले (श्रीनगर से जम्मू की ओर जाने वाले काफिले) का आयोजन करें। उन्होंने बिना किसी परेशानी के ट्रांसपोर्टेशन सुनिश्चित करने के लिए सभी सबंधित विभागो के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया।

सुरक्षा इंतजामों, नेशनल हाईवे पर ट्रैफिक मैनेजमेंट और जम्मू जाने वाले कर्मचारियों के लिए रहने की व्यवस्था का जायजा लेते हुए, मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग और अन्य एजेंसियों को व्यापक सुरक्षा उपाय करने का निर्देश दिया, खासकर उन रिहायशी इलाकों में जहा कर्मचारी रहेंगे। मीटिंग में बताया गया कि काफिले के रास्ते में मेडिकल सहायता उपलब्ध रहेगी और कश्मीर व जम्मू दोनों डिवीजनों में डॉक्टर, पैरामेडिक्स और एम्बुलेंस तैनात की जाएगी।

जरूरी सेवाओं, खाने–पीने, मेहमाननवाजी और अन्य सुविधाओं की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। जम्मू के डिविजनल कमिश्नर से कहा गया कि वे शहर के अंदर, खासकर बड़े रिहायशी इलाकों के आसपास ट्रैफिक मैनेजमेंट की समीक्षा करें और यात्रा करने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों के लिए खाने और सार्वजनिक सुविधाओं (जैसे वॉशरूम) के लिए काफिले के रास्ते में उपयुक्त जगहों की पहचान करें। बैठक में श्रीनगर में विंटर सेक्रेटेरिएट के कामकाज की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई, जो कम से कम कर्मचारियों के साथ काम करेगा। मुख्यमंत्री ने सामान्य प्रशासन विभाग को निर्देश दिया कि वे नवबर से शुरू होने वाले विंटर सेक्रेटेरिएट में तैनात होने वाले मंत्रियों और प्रशासनिक सचियों के लिए मासिक रोस्टर जारी करें।

मुख्यमंत्री ने आगे निर्देश दिया कि श्रदरबार मूव्ह के सिलसिले में जम्मू जाने वाले कश्मीर–स्थित कर्मचारियों को विशेष आकस्मिक अवकाश (कैजुअल लीव) दिया जाए। यह बताया गया कि इस सबंध में जल्द ही एक आदेश जारी किया जाएगा। जम्मू–कश्मीर की एक खास प्रशासनिक परपरा के तौर पर दरबार मूव के महत्व पर जोर देते हुए, मुख्यमंत्री ने सावधानीपूर्वक योजना बनाने, विभागों के बीच प्रभावी तालमेल और कर्मचारियों की सुरक्षा व सुविधा के लिए पर्याप्त इतजाम करने को कहा।

उन्होंने सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने का निर्देश दिया ताकि दरबार मूव आसानी से पूरा हो सके और जम्मू में सरकार का कामकाज बिना किसी रुकावट के शुरू हो सके।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ...

को बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा की।

लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता और मेहनाज एजी. नाडियाडवाला फाउंडेशन (MAGN फाउंडेशन) की संस्थापक और ट्रस्टी मेहनाज एजी नाडियाडवाला ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और क्षेत्र की प्रगति, विकास और कल्याण के लिए शुरू की गई पहलों पर चर्चा की।

अनअकादमी कश्मीर के ऑपरेशन्स मैनेजर मुदस्सिर मुश्ताक रैना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमडल ने मुख्यमंत्री को 'विजडम एप्टीट्यूड टैलेंट हंट (WATH) के बारे में जानकारी दी। यह एक शैक्षिक पहल है जिसका मकसद पूरे जम्मू–कश्मीर में प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करना, उन्हें निखारना और सशक्त बनाना है।

NCC डायरेक्टरेट जेके और लद्दाख के एडिशनल डायरेक्टर जनरल मेजर जनरल अनूपिदर बेवली (VSM) ने भी मुख्यमत्री से मुलाकात की और NCC डायरेक्टरेट जेके और लद्दाख को सरकार से मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

रामबन में ट्रक खाई ...

के पास 70–80 फुट गहरी खाई में गिर गया।

उन्होने बताया कि दोनों को चोटे आई और उन्हें बनिहाल के सब–डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल (एसडीएच) ले जाया गया, जहा ड्राइवर को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि कडक्टर का इलाज चल रहा है। मृतक की पहचान राजस्थान के बाड़मेर निवासी सादिक खान के तौर पर हुई, जबकि घायल की पहचान भी बाड़मेर निवासी सिकंदर के तौर पर हुई। इस बीच, घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

HELP LINE

IMPORTANT CONTACT NUMBERS – UT LADAKH

POLICE DEPARTMENT (SPs)

S.NO.	DESIGNATION	NAME OF OFFICER	MOBILE NO.	LAND LINE NO.	EMAIL
1	SP Leh	Shree Raam R (IPS)	8899222100	01982-244031	ssp-leh1@police.ladakh.gov.in
2	SP Nubra	Sh. Stanzin Losal (JKPS)	9419037139 8825045363	–	spnubra@gmail.com (Temporary)
3	SP Changthang	Sh. Syed Zaheer Abass (JKPS)	9797995888	7006368375	sp-changthang@police.ladakh.gov.in
4	SP Sham	Sh. Aijaz Malik (JKPS)	9419923000	6006424325	sp-sham@police.ladakh.gov.in
5	SP Kargil	Sh. Niten Yadav (IPS)	9999339994	01985-232645/232704	spkargil@police.ladakh.gov.in Fax No. 232645
6	SP Drass	Sh. Istiqaq A. Kacho (JKPS)	8492097235	–	sp-drass@police.ladakh.gov.in
7	SP Zanskar	Sh. Rigzen Sangdup	9419287779 6006164711	–	sp-zanskar@police.ladakh.gov.in

DEPUTY COMMISSIONERS

S.NO.	DESIGNATION	NAME OF OFFICER	MOBILE NO.	LAND LINE NO.	PA TO DC / EMAIL
1	DC Leh	Sh. Romil Singh Donk (IAS)	7982319218	01982-252685	Stanzin – 8494072166
2	DC Kargil	Sh. Rakesh Kumar (IAS)	8604286353	01985-232216	Skarma Gurmat – 9622254259
3	DC Changthang	Sh. Nitish Rajora (IAS)	7053991969	(Temporary)	PA to DC – Kunzes Dolma 6005297553
4	DC Nubra	Sh. Mukul Beniwal (IAS)	8800308665	01982-252049	–
5	DC Zanskar	Sh. Omkar Rajendra Gundage (IAS)	8668894331	–	dc-zanskar@ladakh.gov.in
6	DC Sham	Smt. Kunzes Angmo	9419179108	–	–
7	DC Drass	Sh. Imteeaz Kacho (JKAS)	–	–	–

These numbers are for public assistance and urgent communication only.
FOR ANY EMERGENCY, DIAL 112

Created by Universal Document Converter

पंजाब में एंटी ड्रग्स एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की हत्या, मेडिकल स्टोर पर मारी गोली

बठिंडा। पंजाब में ड्रग्स के खिलाफ काम करने वाले एक्टिविस्ट परविंदर सिंह झोटा की मंगलवार सुबह मानसा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, परमिंदर सिंह बठिंडा के एक मेडिकल स्टोर पर स्टिंग ऑपरेशन कर रहे थे, तभी स्टोर के मालिक के साथ उनकी तीखी बहस हो गई। इस दौरान मेडिकल स्टोर वाले ने एक्टिविस्ट झोटा पर गोली चला दी। यह घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। जब उन्हें मानसा सिविल अस्पताल ले जाया गया, तो उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

परविंदर सिंह झोटा लंबे समय से ड्रग्स की समस्या के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। वह एंटी–ड्रग ब्रिगेड के सक्रिय सदस्य थे। हाल ही में वे मेडिकल स्टोरों के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था। उनका आरोप था कि मेडिकल स्टोरों से नशीली गोलियां, सिंथेटिक



ड्रग्स और अन्य प्रतिबंधित पदार्थ की बिक्री हो रही है। मंगलवार सुबह एक्टिविस्ट परविंदर सिंह एक ऐसे व्यक्ति से मिले, जिसने एक मेडिकल स्टोर से सिंथेटिक ड्रग्स खरीदी थी। वह तुरंत ड्रग्स खरीदने वाले को मेडिकल स्टोर ले गए और पूछा कि वे नशा क्यों बेच रहे हैं। इस बात पर उनकी मेडिकल स्टोर के मालिक से तीखी बहस शुरू हो गई। इस दौरान स्टोर के मालिक ने हथियार निकालकर झोटा पर गोली चला दी।

गोली लगने के बाद परविंदर को मृत घोषित कर दिया गया। गोली चलाने के आरोपी कॉमेस्ट की पहचान अश्वनी कुमार के तौर पर हुई है। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। बठिंडा के डीआईजी हरजीत सिंह ने कहा कि दुकानदार की पहचान कर ली गई है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है

हिंद महासागर क्षेत्र की चिंता होगी दूर; एक फैसले से भारत मित्र देशों का बनेगा मददगार, पाकिस्तान के लिए खतरा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कलवरी क्लास की तीन अतिरिक्त सबमरीन बनाने के प्रस्ताव को प्राथमिकता दी है। फ्रेंच नेवल ग्रुप के सहयोग से मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) इन पनडुब्बियों का निर्माण करेगी। डीजल से चलने वाली ये पनडुब्बियां दुश्मनों पर अटैक करने में माहिर हैं। इन तीन पनडुब्बियों के निर्माण पर 35000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सुरक्षा मामले की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) के सामने एक संशोधित प्रस्ताव रखा गया है।

भारतीय नौसेना की शिशुमार (एचडीडब्ल्यू) और सिंधुघोष (किलो क्लास) सबमरीन अपनी सर्विस लाइफ के आखिर तक पहुंच रही हैं। इसकी वजह से इस दशक के आखिर तक सबमरीन की संख्या कम हो जाएगी। यही 2025–2030 तक पाकिस्तान एयर इंडिपेडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) वाली आठ टाइप 039 युआन क्लास सबमरीन हासिल कर लेगा। इससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय नौसेना के दबदबे को उसके पश्चिमी पड़ोसी और



उसके समर्थक चीन से चुनौती मिलेगी।

हालांकि भारत के पास पहले से ही छह कलवरी क्लास की पनडुब्बियां है, लेकिन इसी क्लास की तीन और पनडुब्बियां बनाने का फैसला टाल दिया गया था क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाकार अपनी लंबी अवधि की योजना के तहत प्रोजेक्ट 75 (I) या एआईपी वाली पनडुब्बियों को प्राथमिकता दे रहे थे। भले ही कलवरी क्लास को 2004 में मंजूरी मिली थी, लेकिन नई विकसित कलवरी या स्कॉर्पीन क्लास में नाटो स्टैंडर्ड के टॉरपीडो होंगे।

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित भारी वजन वाले टॉरपीडो शामिल होंगे और इनमें 800 किमी रेंज वाली एसीएलएम पनडुब्बी–लॉन्च मिसाइलें होंगी। नए ऑर्डर से न केवल मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में पनडुब्बी निर्माण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शिपयार्ड के इंजीनियरों और कर्मचारियों के तकनीकी कौशल में भी सुधार होगा।

फिलहाल अतिरिक्त तीन पनडुब्बियां लेह–एसिड बैटरी से चलेंगी, लेकिन अफ़ोड के दौरान इन्हें लिथियम–आयन बैटरी (एलआईबी) से बदला जा सकता है। एलआईबी, एलएबी की तुलना में कहीं ज्यादा कुशल है और गति और चुपके से चलने की क्षमता के मामले में पाकिस्तान की एआईपी पनडुब्बियों के लिए गंभीर खतरा पैदा करेंगी। इससे भी अहम बात यह है कि अपग्रेडेड कलवरी क्लास की पनडुब्बियां बनाने के बाद, भारत इंडोनेशिया जैसे मित्र देशों को पनडुब्बियां लीज पर दे सकेगा या नेवल ग्रुप से 100 टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (टीओटी) के तहत उनके लिए पनडुब्बियां बना भी सकेगा।

प्रोजेक्ट 75 प्रस्ताव को फिर से शुरू करने की एक और वजह यह है कि प्रोजेक्ट 75 (I) में देरी हो रही है, इसकी वजह डीआरडीओ द्वारा विकसित एआईपी का वैलिडेशन है, जबकि जर्मनी की टीकेएमएस कंपनी प्रोजेक्ट 75 (I) वाली की पनडुब्बियों के लिए एआईपी देने को तैयार है।

भारत अपनी क्षमताओं से दुनिया के लिए अवसरों के नए द्वार खोल रहा: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत अपनी शक्ति का इस्तेमाल केवल स्वयं आगे बढ़ने के लिए नहीं, बल्कि दुनिया और मानवता को सशक्त बनाने के लिए कर रहा है। मंगलवार को नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत का विजन नियत्रण की शक्ति से आगे बढ़कर सक्षम बनाने, प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़कर सहयोग करने और स्वयं सफल होने से आगे बढ़कर दूसरों को सफल बनाने की शक्ति का है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत की प्रगति सामूहिक विकास और साझा अवसरों में निहित है तथा देश किसी की कीमत पर आगे नहीं बढ़ता, बल्कि दुनिया के साथ और दुनिया के लिए आगे बढ़ता है।

भारत में पहली बार आयोजित हुआ ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम

प्रधानमंत्री ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के भारत में पहली बार आयोजित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और माइकल ब्लूमबर्ग तथा उनकी पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अंतरराष्ट्रीय मामलों जैसे वैश्विक महत्व के विषयों पर दुनिया के प्रतिभाशाली लोगों को एक मंच पर लाने की फोरम की क्षमता महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि फोरम के लिए भारत का चयन सही समय पर सही स्थान का चयन है।

प्रौद्योगिकी, डेटा और नवाचार बन रहे शक्ति के नए मानदंड

पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के तीसरे दशक में दुनिया तेजी से बदल रही है और आज प्रौद्योगिकी, डेटा, ज्ञान तथा नवाचार शक्ति के प्रमुख मानदंड बन गए हैं। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण है कि इस शक्ति का वास्तविक उद्देश्य क्या होना चाहिए– क्या इसका लाभ कुछ चुनिंदा लोगों तक सीमित रहे या इसके माध्यम से लाखों लोगों के लिए अवसरों का लोकतांत्रीकरण किया जाए। उन्होंने नियंत्रण से आगे बढ़कर सक्षम बनाने, प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़कर सहयोग करने और स्वयं सफल होने से आगे बढ़कर दूसरों को सफल बनाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इसी 'सशक्त बनाने की शक्ति' के विजन के साथ फोरम में आए हैं।

शक्ति का वास्तविक मूल्य उसके उद्देश्य में निहित

प्रधानमंत्री ने शक्ति की अवधारणा को भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि ज्ञान, धन और शक्ति का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होता है कि उनका इस्तेमाल कितनी नैतिकता और किस उद्देश्य के साथ किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज की जटिल वैश्विक परिस्थितियों से निपटने के लिए शक्ति के इस गहन उद्देश्य को समझना जरूरी है। शक्ति का वास्तविक मूल्य केवल उसकी क्षमता में नहीं, बल्कि उसके उद्देश्य और उसके इस्तेमाल से पैदा होने वाले परिणामों में निहित है।

भारत की संस्कृति में गहराई से समाहित है संशक्तिकरण का विचार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'सशक्त बनाने की शक्ति' केवल वैश्विक मंच से दिया जाने वाला कोई उपदेश नहीं है, बल्कि यह भारत की संस्कृति और शासन व्यवस्था में गहराई से समाहित विचार है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति के उदाहरण इस बात को स्पष्ट करते हैं कि किस तरह देश ने अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल लोगों को अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह भारत के उदाहरणों के माध्यम से इस विचार को सामने रखना चाहते हैं।

डिजिटल शक्ति ने लोकतांत्रिक संवाद को दी नई गति

भारत को लोकतंत्र की जननी बताते हुए प्रधानमंत्री ने देश की विशाल भाषाई और सामाजिक विविधता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में 80,000 से अधिक प्रकाशन और एक हजार से ज्यादा टेलीविजन चौनल हैं तथा डिजिटल युग में करोड़ों लोग यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे मंचों के माध्यम से व्यापक सार्वजनिक विमर्श में भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बदलाव में डिजिटल शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और प्रौद्योगिकी ने लोकतांत्रिक संवाद को और व्यापक बनाया है।

सस्ता डेटा, कनेक्टिविटी और अवसरों का लोकतांत्रीकरण

पीएम मोदी ने कहा कि एक दशक से कुछ अधिक समय पहले तक मोबाइल फोन और इंटरनेट की पहुंच को मुख्य रूप से संपन्न वर्ग की सुविधा माना जाता था, लेकिन 2014 के बाद डेटा की कीमतों में भारी कमी कर डिजिटल पहुंच को व्यापक बनाया गया। इससे छोटे शहरों के विद्यार्थियों से लेकर गांवों के दुकानदारों तक लोगों को ज्ञान, शिक्षा और बाजारों तक तेजी से पहुंच मिली। उन्होंने कहा कि भारत में कनेक्टिविटी ने केवल लोगों को नहीं, बल्कि अवसरों को भी आपस में जोड़ा है।

रेहड़ी–पटरी विक्रेता से बड़े कारोबार तक एक ही डिजिटल व्यवस्था

प्रधानमंत्री ने भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था को वित्तीय समावेशन का बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि देश में एक साधारण रेहड़ी–पटरी विक्रेता और बड़े कार शोरूम तक एक ही डिजिटल भुगतान व्यवस्था का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्होंने इसे समावेशी प्रौद्योगिकी की शक्ति बताते हुए कहा कि डिजिटल व्यवस्था ने वित्तीय सेवाओं को समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने का काम किया है।

भारत अपनी डिजिटल क्षमता दुनिया के साथ साझा कर रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत अपनी डिजिटल क्षमताओं और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का अनुभव ग्लोबल साउथ तथा अन्य साझेदार देशों के साथ साझा कर रहा है। उन्होंने कोविड–19 महामारी के दौरान इस्तेमाल किए गए ओपन–सोर्स कोविन प्लेटफॉर्म का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत का घरेलू नवाचार दूसरे देशों के लिए भी संभावनाओं के द्वार खोल सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की क्षमता का उद्देश्य मानवता को सशक्त बनाना होना चाहिए।

कुछ सौ से बढ़कर 2.5 लाख से ज्यादा स्टार्टअप

पीएम मोदी ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की तेज वृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि 2014 में कुछ सौ स्टार्टअप से बढ़कर आज इनकी संख्या 2.5 लाख से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा कि इनमें लगभग आधे स्टार्टअप छोटे शहरों से आते हैं और 45 से अधिक स्टार्टअप में कम से कम महिला निदेशक या साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण है कि नवाचार और समस्याओं के समाधान की क्षमता अब समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंच रही है।

शासन का उद्देश्य लोगों को निर्भर बनाना नहीं, सशक्त करना

प्रधानमंत्री ने कहा कि लोक प्रशासन में सरकार की शक्ति का उद्देश्य लोगों को व्यवस्था पर निर्भर बनाए रखना नहीं, बल्कि उन्हें पूरी तरह सक्षम और सशक्त बनाना होना चाहिए। उन्होंने पिछले दशक में 25 करोड़ लोगों के गरीबी से बाहर आने का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का विकास मॉडल सशक्तिकरण पर आधारित है और देश इसी रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

जन धन–आधार–मोबाइल से कम हुआ भ्रष्टाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाने में जन धन–आधार–मोबाइल त्रिमूर्ति और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था से भ्रष्टाचार कम हुआ है, नागरिकों की सुविधा बढ़ी है और सरकार तथा लोगों के बीच सीधा संबंध मजबूत हुआ है। डिजिटल व्यवस्था ने सरकारी सहायता की पहुंच को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत की विनिर्माण क्षमता बनी दुनिया के लिए मदद का माध्यम

कोविड–19 महामारी के दौरान टीकों की भारी कमी का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जीवनरक्षक टीकों के निर्माण की क्षमता को कुछ देशों तक सीमित रखना उचित नहीं होता। उन्होंने कहा कि भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए 100 से अधिक देशों को टीकों की आपूर्ति की। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विनिर्माण क्षमता केवल देश की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं रही, बल्कि दूसरे देशों की सहायता का माध्यम भी बनी।

एआई का इस्तेमाल मानवता और पशु कल्याण के लिए भी

प्रधानमंत्री ने भारत में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट का उल्लेख करते हुए कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं पर चर्चा को केवल मानव आवश्यकताओं तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि पशु कल्याण के लिए एआई के इस्तेमाल पर भी विचार किया गया। उन्होंने कहा कि यह भारत की उस सोच को दर्शाता है जिसमें प्रौद्योगिकी का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचाने पर जोर दिया जाता है। भारत जितना अधिक सक्षम होगा, मानवता और दुनिया को उतना ही अधिक लाभ मिलेगा।

प्रतिस्पर्धा के साथ करुणा और नवाचार के साथ जिम्मेदारी जरूरी

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा, नवाचार और राष्ट्रीय शक्ति महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनके साथ करुणा और वैश्विक चुनौतियों के समाधान की जिम्मेदारी भी जरूरी है। जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन और उभरती प्रौद्योगिकियों के जिम्मेदार इस्तेमाल जैसे विषयों पर सामूहिक प्रयास की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शक्ति केवल आगे बढ़ने की क्षमता नहीं, बल्कि दूसरों को आगे बढ़ने में सक्षम बनाने की क्षमता भी है।

तय समय से नौ साल पहले हासिल किया जलवायु लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि पेरिस समझौते के तहत 2030 तक गैर–जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 40 स्थापित विद्युत क्षमता हासिल करने का लक्ष्य भारत ने नवंबर 2021 में ही पूरा कर लिया था। उन्होंने कहा कि भारत ने यह लक्ष्य निर्धारित समय से नौ साल पहले हासिल किया और ऐसा करने वाला पहला जी20 देश बना। उन्होंने इसे भारत की बदलती ऊर्जा यात्रा का महत्वपूर्ण संकेत बताया।

नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 75 से बढ़कर करीब 300 गीगावाट

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 2014 में करीब 75 गीगावाट थी, जो अब बढ़कर लगभग 300 गीगावाट हो गई है। उन्होंने कहा कि यह लगभग चार गुना विस्तार भारत की हरित ऊर्जा यात्रा और सतत विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि है।

सौर योजनाओं से परिवारों और किसानों का सशक्तिकरण

प्रधानमंत्री ने पीएम सूर्य घर और पीएम–कुसुम योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहले परिवारों और किसानों को अपनी सौर ऊर्जा पैदा करने तथा ऊर्जा लागत कम करने में सक्षम बना रही हैं। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से 30 गीगावाट से अधिक क्षमता जुड़ी है और इसके परिणामस्वरूप हर साल 3 करोड़ टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन में कमी आ रही है। उन्होंने कहा कि हरित ऊर्जा की ये पहलें पर्यावरण संरक्षण के साथ नागरिकों के आर्थिक सशक्तिकरण में भी योगदान दे रही हैं।

वैश्विक शक्ति संघर्ष के बीच भारत का अलग रास्ता

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया में प्रभुत्व स्थापित करने की होड़ के बीच भारत स्थिरता, सहयोग और साझा विकास का अलग रास्ता अपना रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा दशक भारत के इस विशिष्ट राष्ट्रीय दृष्टिकोण का प्रमाण है। भारत शक्ति की दौड़ में किसी को पीछे छोड़ने के बजाय अपनी क्षमता का इस्तेमाल व्यापक अवसर पैदा करने के लिए कर रहा है।

KIND ATTENTION RAIL PASSENGERS !

IMPORTANT INFORMATION

RUN OF MORE FESTIVAL SPECIAL TRAINS-2026

In order to clear extra rush of passengers during this Festival Season, Railways have decided to run the following additional Festival Specials Trains as per details given below :-

02252/02251 New Delhi–Patna Jn.–New Delhi Reserved Vande Bharat Festival Special Exp. Train — Trips 36

Train No. 02252		STATIONS		Train No. 02251	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	08:35	New Delhi		23:30	----
21:30	---	Patna Jn.		---	10:00

Days of Run: 02252 Ex New Delhi on 16.10.26, 18.10.26 & 21.10.26 to 25.11.26 (Mon, Wed, Sat) and **02251 Ex Patna Jn.** on 17.10.26, 19.10.26 & 22.10.26 to 26.11.26 (Tue, Thu, Sun).
Stoppages: Aligarh Jn., Kanpur Central, Prayagraj Jn., Pt. Deen Dayal Upadhyaya Jn, Buxar & Ara stations
Accommodation: Executive Chair Car & AC Chair Car

04652/04651 Amritsar-Jaynagar-Amritsar Reserved Festival Special Express Train — Trips 40

Train No. 04652		STATIONS		Train No. 04651	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	10:55	Amritsar		15:00	----
02:30	02:40	Lucknow		22:30	22:40
20:00	---	Jaynagar		---	04:15

Days of Run: 04652 Ex Amritsar on every Wed, Fri, Sun from 16.10.26 to 29.11.26 & **04651 Ex Jaynagar** on every Fri, Sun, Tue from 18.10.26 to 01.12.26.
Stoppages: Jalandhar Cant, Ludhiana Jn, Ambala Cantt, Panipat Jn., Delhi Jn, Moradabad, Lucknow Jn, Shahganj Jn, Phephna Jn, Ballia, Sahatwar, Bakulha, Chhapra, Muzaffarpur Jn, Samastipur Jn, Darbhanga Jn & Madhubani stations
Accommodation: Sleeper & General

04094/04093 Delhi Jn.-Santragachi Jn.- Delhi Jn. Reserved Festival Special Exp. Train — Trips 02

Train No. 04094		STATIONS		Train No. 04093	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	00:30	Delhi Jn.		00:25	----
07:40	---	Santragachi Jn.		---	18:10

Days of Run: 04094 Ex Delhi Jn. on 14.10.26 (Wednesday) & **04093 Ex Santragachi Jn.** on 15.10.26 (Thursday).
Stoppages: Tundla Jn., Govindpuri, Prayagraj Jn., Pt. Deen Dayal Upadhyaya Jn., Bhabua Road, Sasaram, Dehri On Sone, Anugraha N Road, Guraru, Gaya Jn., Koderma, Hazaribagh Rd, NSC Bose Jn. Gomoh, Bhojudih Jn., Adra, Bankura, Bishnupur, Midnapore & Kharagpur stations
Accommodation: 2 Tier AC, 3 Tier AC, Sleeper & General

04406/04405 Shakur Basti-Mansi Jn.- Shakur Basti Unreserved Festival Special Exp. Train — Trips 16

Train No. 04406		STATIONS		Train No. 04405	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	19:10	Shakur Basti		11:30	----
02:30	---	Mansi Jn.		---	04:30

Days of Run: 04406 Ex Shakur Basti on 05.11.26, 06.11.26, 07.11.26, 10.11.26, 11.11.26, 12.11.26, 13.11.26 & 14.11.26 & **04405 Ex Mansi Jn.** on 07.11.26, 08.11.26, 09.11.26, 12.11.26, 13.11.26, 14.11.26, 15.11.26 & 16.11.26.
Stoppages: New Delhi, Ghaziabad, Aligarh Jn, Tundla Jn, Etawah Jn, Kanpur Central, Unnao Jn, Aishbagh, Badshahnagar, Barabanki Jn, Gonda Jn, Basti, Khalilabad, Gorakhpur Jn, Deoria Sadar, Siwan Jn, Chhapra, Sonpur, Hajipur Jn, Shahpur Patoree, Barauni Jn, Begusarai & Khagaria jn. stations
Accommodation: Sleeper & General

04129/04130 Mirzapur-Utraitia-Mirzapur Unreserved Mela Special Train — Trips 27

Train No. 04129		STATIONS		Train No. 04130	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	16:05	Mirzapur		08:30	----
21:03	21:05	Rae Bareli Jn.		02:03	02:05
23:10	---	Utraitia		---	01:00

Days of Run: 04129 Ex Mirzapur upto 26.10.26 & **04130 Ex Utraitia** upto 27.10.26.
Stoppages: Vindhyachal, Meja Road, Naini Jn, Prayagraj Jn, Prayag Jn, Kunda Harnamganj, Unchahar Jn, Rae Bareli Jn & Bachhrawan stations
Accommodation: General Class

04485/04486 New Delhi-Shri Mata Vaishno Devi Katra- New Delhi Reserved Festival Special Express Train — Trips 06

Train No. 04485		STATIONS		Train No. 04486	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	14:00	New Delhi		23:30	----
20:30	20:35	Jalandhar Cantt.		16:15	16:17
03:00	---	Shri Mata Vaishno Devi Katra		---	10:00

Days of Run: 04485 Ex New Delhi on 14.10.26, 18.10.26 and 20.10.26 & **04486 Ex Shri Mata Vaishno Devi Katra** on 15.10.26, 19.10.26 and 21.10.26.
Stoppages: Sonipat, Panipat Jn., Kurukshetra Jn, Ambala Cantt, Dhandari Kalan, Jalandhar Cantt, Pathankot Cantt, Martyr Captain Sunil Kr. Choudhary Kathua, Jammu Tawi & Martyr Captain Tushar Mahajan stations
Accommodation: 1st AC, 1st AC cum 2 Tier AC, 2 Tier AC, 3 Tier AC, Sleeper Class

For detailed information regarding stoppages and timings of above train, please call RailMadad Helpline No. 139 or visit enquiry website: www.enquiry.indianrail.gov.in or NTES App.

04638/04637 Amritsar Jn.-Chhapra- Amritsar Jn. Reserved Festival Special Express Train — Trips 14

Train No. 04638		STATIONS		Train No. 04637	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	19:40	Amritsar Jn.		00:20	----
20:45	---	Chhapra		----	22:15

Days of Run: 04638 Ex Amritsar Jn. on every Monday from 19.10.26 to 30.11.26 & **04637 Ex Chhapra** on every Tuesday from 20.10.26 to 01.12.26
Stoppages: Beas Jn., Jalandhar City Jn., Phagwara Jn, Dhandari Kalan, Sirhind, Rajpura, Ambala Cantt, Yamunanagar Jagadhri, Saharanpur, Moradabad, Bareilly, Shahjahanpur, Sitapur Jn, Gonda Jn., Gorakhpur Jn, Kaptanganj Jn, Padrauna, Tamkuhi Road, Thawe Jn, Siwan Jn & Ekma stations
Accommodation: Sleeper Classs

04640/04639 Chheharta-Muzaffarpur Jn.- Chheharta Reserved Festival Special Express Train — Trips 14

Train No. 04640		STATIONS		Train No. 04639	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	08:35	Chheharta		21:30	----
18:05	18:13	Moradabad		11:00	11:10
13:10	---	Muzaffarpur Jn.		----	16:00

Days of Run: 04640 Ex Chheharta on every Monday from 19.10.26 to 30.11.26 & **04639 Ex Muzaffarpur Jn.** on every Tuesday from 20.10.26 to 01.12.26
Stoppages: Amritsar Jn., Beas Jn., Jalandhar City Jn., Ludhiana Jn, Sirhind, Rajpura, Ambala Cantt, Yamunanagar Jagadhri, Saharanpur, Moradabad, Bareilly, Shahjahanpur Jn., Sitapur Jn., Gonda Jn., Gorakhpur Jn., Kaptanganj Jn, Siswa Bazar, Bagaha, Narkatiaganj Jn, Bettiah & Sagauli Jn stations
Accommodation: 2 Tier AC, 3 Tier AC & Sleeper Class

09083/09084 Bandra Terminus-Gorakhpur Jn.- Bandra Terminus Weekly Unreserved Spl. Train (Special Fare) — Trips 04

Train No. 09083		STATIONS		Train No. 09084	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	04:30	Bandra Terminus		11:15	----
14:50	14:52	Barabanki Jn.		03:00	03:02
19:30	---	Gorakhpur Jn.		----	22:45

Days of Run: 09083 Ex Bandra Terminus on 18.10.26 and 25.10.26 & **09084 Ex Gorakhpur Jn.** on 20.10.26 and 27.10.26.
Stoppages: Borivali, Palghar, Vapi, Surat, Vadodara Jn., Ratlam Jn., Kota Jn., Sawai Madhopur Jn., Idgah Agra Jn., Tundla Jn., Kanpur Central, Aishbagh, Barabanki Jn., Gonda Jn. & Basti stations
Accommodation: General Class

04085/04086 New Delhi-Shri Mata Vaishno Devi Katra- New Delhi Reserved Festival Special Train — Trips 04

Train No. 04085		STATIONS		Train No. 04086	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	14:00	New Delhi		23:30	----
20:30	20:35	Jalandhar Cantt		16:15	16:17
03:00	---	Shri Mata Vaishno Devi Katra		----	10:00

Days of Run: 04085 Ex New Delhi on 15.10.26 and 17.10.26 & **04086 Ex Shri Mata Vaishno Devi Katra** on 16.10.26 and 18.10.26.
Stoppages: Sonipat, Panipat Jn., Kurukshetra Jn, Ambala Cantt, Dhandari Kalan, Jalandhar Cantt, Pathankot Cantt, Martyr Captain Sunil Kr. Choudhary Kathua, Jammu Tawi & Martyr Captain Tushar Mahajan stations
Accommodation: 2 Tier AC, 3 Tier AC & Sleeper Class

03437/03438 Malda Town–Haridwar– Malda Town Special Train — Trips 14

Train No. 03437		STATIONS		Train No. 03438	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	10:00	Malda Town		23:55	----
01:00	01:10	Varanasi		09:05	09:10
17:00	---	Haridwar		----	18:35

Days of Run: 03437 Ex Malda Town on every Saturday from 17.10.26 to 28.11.26 & **03438 Ex Haridwar** on every Sunday from 18.10.26 to 29.11.26.
Stoppages: New Farakka, Barharwa Jn, Sahibganj Jn, Kahalgaon, Bhagalpur, Sultanganj, Jamalpur Jn, Abhaipur, Kiul Jn, Mokama, Bakhtiyarpur Jn, Rajendra Nagar Terminal, Patna Jn, Danapur, Ara, Buxar, Pt. Deen Dayal Upadhyaya Jn., Varanasi, Sultanpur, Uraitia, Alam Nagar, Bareilly, Moradabad & Laksar stations
Accommodation: 3 Tier AC, Sleeper & General Class

01207/01208 Nagpur Jn.-Samastipur Jn.- Nagpur Jn. Weekly Special Train — Trips 08

Train No. 01207		STATIONS		Train No. 01208	
Arr.	Dep.			Arr.	Dep.
----	10:40	Nagpur Jn.		11:30	----
08:13	08:15	Barabanki Jn.		15:08	15:10
23:45	---	Samstipur Jn.		----	03:00

Days of Run: 01207 Ex Nagpur Jn. on every Wednesday from 21.10.26 to 11.11.26 & **01208 Ex Samastipur Jn.** on every Friday from 23.10.26 to 13.11.26.
Stoppages: Betul, Itarsi Jn., Bhopal Jn., Virangana Lakshmibai Jhansi Jn., Kanpur Central, Aishbagh Jn., Barabanki Jn., Gonda Jn., Basti, Gorakhpur Jn., Chhapra Jn., Sonpur Jn., Hajipur Jn. & Muzaffarpur Jn. stations
Accommodation: 3 Tier AC, Sleeper & General Class

RailMadad Helpline No. 139

Visit RailMadad website:- www.railmadad.indianrailways.gov.in

Download RailMadad app.

Please join us on

NORTHERN RAILWAY
Always at your service
Visit us at : www.nr.indianrailways.gov.in

Serving Customers with a Smile

Created by Universal Document Converter

सम्पादकीय

ग्रे वॉर

यूरोप को एक मुश्किल सच्चाई का सामना करना पड़ रहा हैरू अगला बड़ा सुरक्षा संकट शायद टैंकों के बॉर्डर पार करने से शुरू न हो। यह किसी कटे हुए केबल, ठप पड़े कंप्यूटर नेटवर्क, तोड़–फोड़ किए गए एयरपोर्ट या जान–बूझकर फैलाई गई गलत जानकारी से शुरू हो सकता है। यूरोप के साथ रूस का टकराव तेजी से इस अस्पष्ट दायरे में बढ़ रहा है। मकसद पारंपरिक युद्ध लड़ना नहीं है, बल्कि नुकसान पहुँचाना, अनिश्चितता पैदा करना और मतभेदों का फायदा उठाना है, बिना किसी ऐसे साफ–साफ सैन्य जवाब को उकसाए जो सशस्त्र हमले से होता।

इससे इस खतरे को रोकना मुश्किल हो जाता है, और यह ज़्यादा नुकसानदेह भी हो सकता है। नॉर्थ सी में समुद्र के नीचे बिछे केबलों की मैपिंग इसका एक उदाहरण है। आधुनिक यूरोपीय अर्थव्यवस्थाएँ अदृश्य बुनियादी ढाँचे पर निर्भर हैंरू टेलीकम्युनिकेशन केबल, एनर्जी लिंक, बंदरगाह, सैटेलाइट और डिजिटल नेटवर्क। इनमें से किसी को भी नुकसान पहुँचने पर हमले की जगह से कहीं दूर तक असर हो सकता है। जो समाज बिना रुकावट कनेक्टिविटी पर निर्भर है, उसमें ऐसी बहुत सी जगहें होती हैं जहाँ दुश्मन गड़बड़ी पैदा कर सकता है। इससे राष्ट्रीय सुरक्षा का मतलब बदल जाता है। सरकारें अब सुरक्षा को मुख्य रूप से सैनिकों, विमानों और मिसाइलों का मामला नहीं मान सकतीं।

खुफिया सेवाएँ, साइबर–सुरक्षा एजेंसियाँ, टेक्नोलॉजी कंपनियाँ और बुनियादी ढाँचा चलाने वाली कंपनियाँ अब फ्रंटलाइन का हिस्सा हैं। जासूसी के आरोपों में जर्मनी की फेडरल इंटेलिजेंस सर्विस के पूर्व प्रमुख की गिरफ्तारी याद दिलाती है कि कमजोरियाँ संस्थानों के अंदर और उनके आस–पास भी हो सकती हैं। इसलिए ब्रिटेन और जर्मनी के लिए करीबी सहयोग सिर्फ कूटनीतिक सुविधा नहीं है। उनके सुरक्षा हित एक जैसे हो रहे हैं। ब्रिटेन के पास काफी खुफिया, सैन्य और तकनीकी क्षमताएँ हैंय जर्मनी महाद्वीपीय यूरोप के केंद्र में एक अहम स्थिति में है। कोई भी अकेले काम करके किसी अंतरराष्ट्रीय खतरे से खुद को ठीक से नहीं बचा सकता। यह तर्क इन दो देशों से आगे भी जाता है।

ब्रेक्जिट ने भले ही यूरोपीय संघ के साथ ब्रिटेन के संस्थागत संबंधों को बदल दिया हो, लेकिन इसने उसके भूगोल को नहीं बदला। ब्रिटिश सुरक्षा उसके यूरोपीय पड़ोसियों की सुरक्षा से अलग नहीं है। अगर खतरा सीमाओं के पार तेजी से संगठित हो रहा है, तो जवाब भी वैसा ही होना चाहिए। इससे ब्रिटेन के म के साथ भविष्य के संबंधों पर बहस को एक रणनीतिक आयाम भी मिलता है। करीबी यूरापीय सहयोग का तर्क ब्रेक्जिट से पहले की व्यवस्थाओं की पुरानी यादों पर आधारित होने की जरूरत नहीं है। यह किसी ज़्यादा जरूरी चीज पर आधारित हो सकता हैरू सुरक्षा। जैसे–जैसे रूस यूरोप की मजबूती की परीक्षा ले रहा है, इंटेलिजेंस, साइबर–डिफेंस, अहम इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी और प्रतिबंधों के मामले में सहयोग और भी जरूरी होता जा रहा है।

हालांकि, खतरा यह है कि यूरोप हर घटना के बाद ही प्रतिक्रिया देता है। हाइब्रिड वॉरफेयर (मिली–जुली युद्ध शैली) ठीक ऐसे ही माहौल में पनपता है दृ जहाँ तोड़–फोड़ या साइबर घुसपैठ की अलग–अलग घटनाएँ सामूहिक प्रतिक्रिया के लायक न लगें, लेकिन मिलकर वे एक लगातार चलने वाले अभियान का रूप ले लें। इसलिए यूरोप को यह तय करना होगा कि वह इन घटनाओं को अलग–थलग और छोटी–मोटी परेशानी मानता है या किसी रणनीतिक चुनौती का हिस्सा। अगर इन्हें मामूली परेशानी माना गया, तो हालात और बिगड़ सकते हैं। अगर इन्हें रणनीतिक चुनौती के तौर पर देखा जाए, तो यह ऐसे युद्ध में खुद का बचाव करने में सक्षम यूरोप बनाने की दिशा में पहला कदम होगा, जो देखने में पारंपरिक युद्ध जैसा नहीं लगता।

'यादवों की गुलामी छोड़ो', असदुद्दीन ओवैसी ने अखिलेश यादव पर सीधा हमला बोलते हुए यूपी के मुसलमानों से कर दिया बड़ा आह्वान

नीरज कुमार दुबे

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 का चुनाव अभी कुछ समय दूर है, लेकिन शह–मात का खेल अभी से गरमाने लगा है। समाजवादी पार्टी के दरवाजे पर गठबंधन की उम्मीद लेकर पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी को जब अखिलेश यादव ने भाव नहीं दिया, तो AIMIM प्रमुख ने आजमगढ़ की धरती से ऐसा सियासी तीर छोड़ा, जिसका निशाना सीधे लाल टोपी और मुलायम–अखिलेश की मुस्लिम राजनीति पर जा लगा। ओवैसी ने मुसलमानों से यादव परिवार की 'गुलामी' छोड़कर अपनी सियासी रहनुमाई खुद करने का आह्वान कर दिया। यानी गठबंधन की मेज पर जगह नहीं मिली, तो अब सियासी मैदान में हिस्सेदारी का हिसाब मांगा जाएगा!

देखा जाये तो ओवैसी का हमला महज जुबानी जंग नहीं, बल्कि उस मुस्लिम वोट बैंक पर दावेदारी की खुली घोषणा है, जिसे समाजवादी पार्टी लंबे समय से अपनी सियासी ताकत का अहम हिस्सा मानती रही है। ओवैसी का आरोप है कि मुलायम सिंह यादव से लेकर अखिलेश यादव तक, मुस्लिम समाज ने पीढ़ियों तक सपा का साथ दिया, लेकिन बदले में उसे अपने दम पर नेतृत्व खड़ा करने का पर्याप्त मौका नहीं मिला। ओवैसी का सवाल साफ है कि अगर वोट मुसलमानों का, मेहनत से सियासी सिरदर्द बन सकता है। क्योंकि यूपी की राजनीति में वोट का गणित सिर्फ जातियों की गिनती से नहीं, बल्कि उनकी राजनीतिक ताकत से भी तय होता है। ओवैसी इसी हिस्सेदारी के मुद्दे को हथियार बनाकर सपा के उस मजबूत सामाजिक समीकरण में सेंध लगाने की तैयारी में हैं, जिसके सहारे अखिलेश 2027 में बीजेपी को चुनौती देने का सपना देख रहे हैं।



साथ ही आजमगढ़ को लेकर ओवैसी ने अखिलेश को घेरने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। शिब्ली नेशनल कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा न मिलने, शिब्ली अकादमी को कथित तौर पर महज पांच लाख रुपये देने, लेकिन निशाना सीधे अखिलेश की सियासी साख पर है।

उधर, योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के मुस्लिम अधिकारों की मुखर आवाज के रूप में पेश किया।

लेकिन इस पूरी लड़ाई का असली सवाल यही है कि क्या ओवैसी मुस्लिम समाज के भीतर स्वतंत्र राजनीतिक नेतृत्व खड़ा कर पाएंगे, या उनका वोट काटने वाला चेहरा होने का आरोप ही उनके रास्ते की सबसे बड़ी बाधा बनेगा? इसमें कोई दो राय नहीं कि सपा के साथ गठबंधन की कोशिश नाकाम होने के बाद ओवैसी के सामने अपनी ताकत साबित करने की चुनौती है। वहीं अखिलेश के सामने यह भरोसा कायम रखने की परीक्षा है कि उनका सामाजिक गठबंधन सिर्फ चुनाव जीतने का समीकरण नहीं, बल्कि सत्ता में भागीदारी का भी रास्ता है।

देखा जाये तो यूपी में 2027 की जंग अभी शुरू नहीं हुई है, मगर मुस्लिम वोटों की चौसर बिछ चुकी है। ओवैसी ने चाल चल दी है, अखिलेश को जवाब देना है और बीजेपी इस खींचतान का सियासी फायदा उठाने की ताक में रहेगी। आखिरकार, चुनाव में न नारा अकेले जीतता है, न आरोप, जीतता वही है, जिसके साथ जनता का भरोसा, संगठन की ताकत और वोटों का ठोस गणित होता है।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा, दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून–व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। समाचारपढ़ें

आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनादोलनों की दिशा क्यों तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित पर बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग–अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया।

आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में सर्वसामान्य चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है।

हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं है। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न मानने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए। विरोध की साधर्थकता ताब बढ़ती है, जब वह किसी बेहतर व्यवस्था की कल्पना और निर्माण का आधार बनता है।



जनांदोलनों के संदर्भ में विदेशी शक्तियों की भूमिका पर भी चर्चा होती रही है। यह स्वाभाविक है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में राष्ट्रीय हितों, बाहरी प्रभावों और सूचना के प्रवाह को लेकर सतर्कता बरती जाए। लेकिन इस विषय पर भी भावनाओं अथवा आशंकाओं के बजाय प्रमाणों के आधार पर बात होनी चाहिए। किसी आंदोलन में सरकार की आलोचना होने मात्र से उसे विदेशी षड्यंत्र का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। उसी प्रकार यदि किसी गतिविधि में विदेशी वित्तपोषण, भ्रामक प्रचार अथवा अनुचित हस्तक्षेप के विश्वसनीय प्रमाण मिलते हैं, तो उनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। राष्ट्रीय एकता और अखंडता की रक्षा केवल कठोर प्रशासनिक कार्रवाई से नहीं होती। वह नागरिकों के विश्वास, संस्थाओं की निष्पक्षता, न्याय की उपलब्धता और शासन की पारदर्शिता से मजबूत होती है। देश की आलोचना और देश के प्रति शत्रुता में अंतर समझना आवश्यक है। सरकार की किसी नीति का विरोध करना राष्ट्रविरोध नहीं है, जैसे राष्ट्रीय हित की चिंता करना किसी नागरिक की लोकतांत्रिक स्वतंत्रता को सीमित करने का औचित्य नहीं बन सकता।

अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है। किसी भी आंदोलन को स्वयं से तीन प्रश्न अवश्य पूछने चाहिएरू क्या हमारा मुद्दा तथ्यपरक और जनहितकारी है? क्या हमारी पद्धति लोकतांत्रिक और अहिंसक है? क्या हमारे प्रयास से समस्या का समाधान निकलेगा या समाज में विभाजन और अविश्वास बढ़ेगा? केवल मुद्दा सही होना पर्याप्त नहीं है, उसके लिए सही नेतृत्व, सही भाषा, सही पद्धति और सही लक्ष्य भी आवश्यक है। आंदोलन का उद्देश्य केवल किसी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं, बल्कि उससे बेहतर व्यवस्था के निर्माण में योगदान करना होना चाहिए। जो आंदोलन समाज को विवेक, अनुशासन, न्याय और रचनात्मकता की दिशा देता है, वही इतिहास में स्थायी स्थान प्राप्त करता है। भारत का भविष्य ऐसे ही लोकतांत्रिक चिंतन में सुरक्षित है, जहां असहमति को सम्मान मिले, सत्ता जवाबदेह रहे, विपक्ष रचनात्मक बने और राष्ट्रहित का अर्थ नागरिक स्वतंत्रता तथा सवैधानिक मर्यादा के समन्वय में खोजा जाए।

Created by Universal Document Converter

चिनार के पास मेटाडोर हादसे का शिकार, यात्रियों को आई मामूली चोटे

उधमपुर, 13 अक्टूबर (संजीव शर्मा)। उधमपुर से करीब 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित चिनार क्षेत्र में एक मेटाडोर के हादसे का शिकार हो जाने से कई यात्रियों को मामूली चोटें आई।

जानकारी अनुसार चक से उधमपुर की ओर रही एक मेटाडोर नंबर (जे.के.14.बी–0067) जैसे ही चिनार के पास पहुंची की वह हादसे का शिकार हो गई। हादसे में कुछ लोगों को मामूली चोटें आने की सूचना है। दुर्घटना के कारणों का फिलहाल पता नही चल पाया है। वहीं पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।



हटली मोड़ में गोवंश तस्करी प्रयास विफल, 14 गोवंश मुक्त, दो गिरतार

कठुआ, 13 अक्टूबर। कठुआ पुलिस ने कठुआ के हटली मोड़ में नाके के दौरान गोवंश तस्करी की कोशिश को नाकाम करते हुए 14 गोवंश को मुक्त करवाया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे ट्रक को भी जब्त कर लिया।

जानकारी के अनुसार हटली पुलिस चौकी की टीम राष्ट्रीय राजमार्ग पर हटली मोड़ के पास वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पंजाब की ओर से जम्मू–कश्मीर आ रहे ट्रक नंबर जेके02एएल–7831 को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर ट्रक में बेरहमी से लदे 14 गोवंश बरामद हुए जिन्हें सुरक्षित मुक्त करवाया गया। पुलिस ने ट्रक चालक शाहिद चौधरी निवासी छत्ता डोगिया जम्मू तथा उसके साथी शाकूर खान निवासी गुज्जर कॉलोनी डाक बस्ती मीरा साहिब को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पुलिस थाना कठुआ में एफआईआर नंबर 505/2026 के तहत बीएनएस की धारा 223 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। कठुआ पुलिस ने लोगों से गोवंश तस्करी संबंधी किसी भी सूचना को हेल्पलाइन नंबर 112 या 09858034100 पर साझा करने की



अपील की है। पुलिस ने सूचना देने वालों की पहचान गोपनीय रखने का आश्वासन भी दिया है।

जिला प्रशासन उधमपुर ने निवर्तमान डीसी मिंगा शेरपा को भावभीनी विदाई दी

उधमपुर, 13 अक्टूबर (संजीव शर्मा)। जिला प्रशासन उधमपुर ने निवर्तमान उपायुक्त मिंगा शेरपा के सम्मान में एक प्रभावशाली विदाई समारोह का आयोजन किया।

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनकी समर्पित सेवा, दूरदर्शी नेतृत्व और कुशल प्रशासनिक क्षमताओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी गतिशील कार्यशैली और सक्रिय दृष्टिकोण ने जिले में शासन को मजबूत करने और प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रशासनिक मामलों में उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और अटूट सहयोग की कमी महसूस की जाएगी और उन्हें उनके नए कार्यभार में सफलता की कामना की।

अपने संबोधन में, मिंगा शेरपा ने विदाई समारोह के आयोजन के लिए अधिकारियों को धन्यवाद दिया और अपने आधिकारिक कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के निर्वहन में उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और निष्ठापूर्ण प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान उनके सक्रिय समर्थन और सहयोग को भी स्वीकार किया।



उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान उन्हें मिले स्नेह, सम्मान और प्रेम के लिए उधमपुर की जनता के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

बाद में, एडीसी ने अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर निवर्तमान उपायुक्त को प्रेम और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में एक स्मृति चिन्ह भेंट किया।

बसोहली उत्सव की तैयारियां तेज, 13 से 21 अक्टूबर तक स्टेशन नहीं छोड़ सकेंगे अधिकारी/कर्मचारी

बसोहली, 13 अक्टूबर। बसोहली उत्सव–2026 की तैयारियों को लेकर एडीसी पंकज भगोत्रा जेकेएएस ने मंगलवार को अपने कार्यालय परिसर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 13 से 21 अक्टूबर तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी उनकी अनुमति के बिना स्टेशन नहीं छोड़ेगा। निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।



बैठक में सीईओ बीबीडीए बीआर टंडन, एसडीपीओ ओम प्रकाश, डीएफओ सुरेश शर्मा, तहसीलदार सागर विश्व कर्मा, एसडीएओ रवि सिंह चौहान, नगर समिति के ईओ एवं बीडीओ राजेश कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। एडीसी ने जल शक्ति विभाग को निर्देश दिए कि उत्सव शुरू होने से पहले टाउन हॉल, सैनिक सराय, सरकारी डिग्री कॉलेज के निकट स्थित छात्रावास तथा वाटर स्पोर्ट्स सेंटर के पास पर्यटन विभाग के गेस्ट हाउस में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं एसडीपीओ को सुरक्षा प्रबंधों तथा वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए ताकि उत्सव में भाग लेने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

एडीसी ने कहा कि यह उत्सव के लिए चयनित स्थलों का दोबारा दौरा कर वहां की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। उन्होंने अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने आम जनता से अपील की कि 19 से 21 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले तीन दिवसीय बसोहली उत्सव में बढ़–चढ़कर भाग लें और इस आयोजन का आनंद उठाएं।

एमवीडी विभाग ने हैप्पी मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम

उधमपुर, 13 अक्तूबर (संजीव शर्मा)। मोटर वाहन विभाग (एमवीडी) द्वारा छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व और जिम्मेदार सड़क उपयोगकर्ता व्यवहार के बारे में जागरूक करने हेतु एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

एआरटीओ उधमपुर मुदस्सिर इकबाल ने हैप्पी मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व किया।

एआरटीओ ने छात्रों से बातचीत की और सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और सभी सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात नियमों और विनियमों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने छात्रों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया और उन्हें सड़कों पर यात्रा करते समय सुरक्षित व्यवहार अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।



छात्रों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने, वाहनों में सीट बेल्ट का उपयोग करने, यातायात संकेतों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के उपयोग से बचने और पैदल यात्री सुरक्षा नियमों का पालन करने के महत्व के प्रति जागरूक किया गया।

जिम्मेदार वाहन चलाने, यातायात अनुशासन और सड़क पर अन्य उपयोगकर्ताओं के प्रति सम्मान के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस पहल ने जिम्मेदार और कानून का पालन करने वाले नागरिकों के विकास के साधन के रूप में स्कूलों में सड़क सुरक्षा शिक्षा के महत्व को भी सुदृढ़ किया।

कार्यक्रम का समापन सभी छात्रों से यातायात नियमों का पालन करने, सड़क सुरक्षा जागरूकता को बढ़ावा देने और जिम्मेदार व्यवहार और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में योगदान देने के आह्वान के साथ हुआ।

विधायक डॉ. भारत भूषण ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से की मुलाकात, कठुआ के विकास मुद्दों पर की चर्चा



कठुआ, 13 अक्टूबर। कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने श्रीनगर स्थित सिविल सचिवालय में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात कर कठुआ विधानसभा क्षेत्र के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

इस दौरान विधायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्यों से संबंधित विषय मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। मुलाकात का मुख्य उद्देश्य कठुआ क्षेत्र की विकास संबंधी आवश्यकताओं पर चर्चा करना और क्षेत्र के समग्र विकास से जुड़े मुद्दों को सरकार के ध्यान में लाना रहा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बैठक में कठुआ विधानसभा क्षेत्र के विकास से संबंधित विषयों पर विचार–विमर्श किया गया। हालांकि मुलाकात के दौरान उठाए गए विशिष्ट मुद्दों और उन पर मुख्यमंत्री की ओर से दिए गए आश्वासनों के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई।

कठुआ में नशा तस्कर के मकान पर चला पीला पंजा



कठुआ, 13 अक्टूबर। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की टीम ने कठुआ के चक द्राबखान क्षेत्र में एक कथित नशा तस्कर के मकान को ध्वस्त कर दिया। प्रशासन की देखरेख में की गई इस कार्रवाई के दौरान मकान पर पीला पंजा चलाया गया। बताया जा रहा है कि संबंधित मकान सरकारी जमीन पर बनाया गया था और इसकी संपत्ति नशा तस्करी से अर्जित धन से खड़ी किए जाने का आरोप है।

जम्मू–कश्मीर में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के दिशा–निर्देशों और नशा मुक्ति अभियान के तहत नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कठुआ में भी प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान कुछ विरोध भी देखने को मिला लेकिन पुलिस बल की मौजूदगी में प्रशासन ने मकान को ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई को जिले में नशा तस्करी के खिलाफ प्रशासन की सख्ती के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि मकान के मालिक की पहचान, सरकारी जमीन पर निर्माण तथा संपत्ति नशा तस्करी से अर्जित धन से बनाए जाने संबंधी आरोपों की आधिकारिक पुष्टि विस्तृत जानकारी मिलने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

डोडा की बेटियों ने बैडमिंटन में मारी बाजी, अंडर–19 खिताब पर जमाया कब्जा



कठुआ, 13 अक्टूबर। कठुआ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित अंतर–जिला समाग स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंडर–19 लड़कियों के वर्ग में डोडा की टीम चैंपियन बनी। खिताबी मुकाबले में डोडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उधमपुर को 2–1 सेट से हराकर ट्रॉफी अपने नाम की जबकि उधमपुर को उपविजेता से संतोष करना पड़ा। इससे पहले खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में डोडा ने किश्तवाड़ को 2–0 सेट से हराया जबकि उधमपुर ने जम्मू की टीम को 2–0 सेट से पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। समापन अवसर पर जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी कठुआ सुनील कुमार ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफियां प्रदान कीं। उन्होंने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए खेलों में अनुशासन बनाए रखने, निरंतर मेहनत करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के माध्यम से युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने और खेल भावना का प्रदर्शन करने का अवसर मिला।

कविता के जरिए नशे और सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार, महिला कॉलेज कठुआ में बहुभाषी मुशायरा

कठुआ, 13 अक्टूबर। युवाओं को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने और साहित्यिक प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग कठुआ की ओर से सरकारी महिला डिग्री कॉलेज कठुआ में बहुभाषी मुशायरे का आयोजन किया गया। इसमें कवियों ने नशाखोरी, महिला सशक्तीकरण, देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों पर आधारित रचनाएं प्रस्तुत कीं।



कार्यक्रम में कॉलेज के प्रिंसिपल जयपाल सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रसिद्ध कवियों विजय शर्मा, सुनील दत्त शाद, कुलदीप कुमार, डॉ. रचना भगत, डॉ. मुकेश कुमारी और सरोज बाला ने विभिन्न भाषाओं में अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर श्रोताओं को प्रभावित किया। युवा कवियों रोहित चौहान, सुमन शर्मा और शिवानी शर्मा ने भी अपनी कविताओं के माध्यम से सामाजिक मुद्दों को उजागर किया। गायक राघव की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भरा। मुख्य अतिथि जयपाल सिंह ने युवाओं में साहित्य और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए सूचना विभाग के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर जिला सूचना केंद्र कठुआ की ओर से उभरते कलाकारों को प्रशस्ति प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ सांस्कृतिक सहायक अजय कुमार, फील्ड पब्लिसिटी सहायक अनिल कुमार और वरिष्ठ सांस्कृतिक सहायक जोगिंदर कुमार भी उपस्थित रहे।

रामलीला में समाजसेवी सुखदेव सिंह को कमेटी ने किया सम्मानित



उधमपुर, 13 अक्टूबर (संजीव शर्मा)। कठुआ पटेल नगर स्थित रामलीला क्लब द्वारा आयोजित रामलीला कार्यक्रम में समाजसेवी सुखदेव सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर रामलीला कमेटी की ओर से सुखदेव सिंह को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सुखदेव सिंह ने मंच से लोगों को संबोधित करते हुए समाज में आपसी भाईचारा, प्यार, प्रेम और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों व सकारात्मक गतिविधियों से जुड़ने की अपील की।

सुखदेव सिंह ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जुड़े रहना चाहिए तथा आपसी मतभेद भुलाकर मिल–जुलकर रहना चाहिए। उन्होंने रामलीला जैसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को समाज में सद्भाव, एकता और अच्छे संस्कारों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे समाज में प्रेम, शांति और भाईचारे को मजबूत करें तथा अपनी आने वाली पीढ़ियों को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़कर रखें।

मोबाइल मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में संयुक्त टीम ने दोमेल चौक पर लगाया नाका

कई वाहन चालकों के काटे चालान, कई वाहनों को किया गया सीज

उधमपुर, 13 अक्टूबर (संजीव शर्मा)। उधमपुर के दोमेल चौक पर मोबाइल मजिस्ट्रेट, थाना प्रभारी तथा ट्रैफिक विभाग ने संयुक्त रूप से नाका लगाया और यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर कई वाहनों को जुर्माना करने के साथ–साथ कई वाहनों को जब्त भी किया गया। वहीं डीटीआई नासिर अहमद ने बताया कि बिना हेलमेट, बिना कागजात, सीट बेल्ट नही डालने पर 36 चालान काटे गए है। उन्होंने अभियान के दौरान कई वाहनों के चालान काटे गए है। उन्होंने शहर वासियों से आग्रह किया गया वह गाड़ी चलाते समय ट्रैफिक नियमों का पालन करें नही तो सख्त कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि इस समय त्योहारों का सीजन है और युवा बच्चे बहुत तेज रफ्तार से गाड़िया चलाते है जो कि खतरे से खाली नही होती है। उन्होंने बच्चों के अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वह लाइसेंस होल्डर को ही गाड़ी चलाने के अनुमति दें।



Created by Universal Document Converter

आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस ने जम्मू में नई शाखा खोली

लॉन्च ऑफर– जीरो लॉगिन फीस और 50 लाख रुपये तक की मौके पर मंजूरी

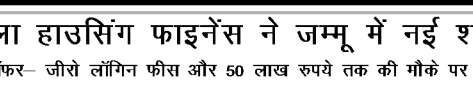
जम्मू, 13 अक्टूबर 2026। आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड ('एबीएचएफएल') ने जम्मू में अपनी नई शाखा शुरू की है। हाउसिंग फाइनेंस के क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में शामिल और आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड की सहयोगी एबीएचएफएल का यह कदम देशभर में अपना डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क बढ़ाने की उसकी बड़ी योजना का हिस्सा है। इसके साथ ही एबीएचएफएल उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रही है जिससे राज्य के तेजी से बढ़ते बाजारों में इसकी पकड़ मजबूत होगी और ग्राहकों के लिए सुविधा भी बढ़ेगी।

जम्मू जम्मू–कश्मीर की सीतक लीन राजधानी और एक प्रमुख प्रशासनिक, वाणिज्यिक एवं शिक्षा केंद्र है। शहर के स्थापित आवासीय क्षेत्रों से आगे विस्तार के साथ यहां आवास की जरूरतें भी बढ़ रही है। व्यापार, पर्यटन, सेवा क्षेत्र, सरकारी गतिविधियों, शिक्षा और छोटे कारोबार में बढ़ती गति विधियां वेतनभोगी पेशेवरों, उद्यमियों, व्यापारियों और स्वरोजगार करने वाले लोगों की आवास संबंधी आकांक्षाओं को बढ़ावा दे रही है। जम्मू और आसपास के क्षेत्रों में नए आवासीय विकास तथा घर खरीदने की बढ़ती मांग के साथ सुलभ और ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप आवास वित्त समाधानों की आवश्यकता भी बढ़ रही है। नई शाखा के माध्यम से एबीएचएफएल का उद्देश्य ग्राहकों के नजदीक सुविधाजनक आवास वित्त सेवाएं उपलब्ध कराना और घर खरीदने के उनके सपने को साकार करने में मदद करना है। एबीएचएफएल अलग–अलग तरह के ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए हाउसिंग फाइनेंस के कई समाधान देता है। इनमें अफोर्डेबल हाउसिंग लोन, प्रीमियम हाउसिंग लोन, कस्टवक्शन फाइनेंस और प्रॉपर्टी पर लोन शामिल है। कंपनी की सेवाएं वेतनभोगी लोगों, प्रोफेशनल्स, अपना कारोबार करने वालों और नए आय वर्ग के ग्राहकों के लिए उपलब्ध है। मजबूत डिजिटल क्षमताओं के दम पर एबीएचएफएल लोन की पूरी प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाता है, जिससे ग्राहकों को जल्दी मंजूरी मिलती है और सेवा का अनुभव भी बेहतर रहता है।

इस लॉन्च के मौके पर एबीएचएफएल ग्राहकों को एक खास ऑफर दे रहा है, जीरो लॉगिन फीस के साथ 50 लाख रुपये तक के लोन की मौके पर ही मंजूरी। यह ऑफर 13 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा, जिससे इस नई शाखा के ग्राहक को तेज और ज्यादा किफायती लोन सुविधा मिलेगी।

कंपनी के इस कदम पर आदित्य बिरला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री पंकज गाडगिल ने कहा, जम्मू हमारे लिए विकास की अपार समावनाओं वाला अहम बाजार है। मजबूत मांग और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए हम अपनी मौजूदगी इलाकों में फैला रहे है, ताकि ग्राहकों से गहरा रिश्ता बने। अपने बढ़ते डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और मजबूत डिजिटल क्षमताओं के साथ हमारा लक्ष्य घर खरीदने की पूरी प्रक्रिया को ग्राहकों के लिए आसान, तेज और बिना झंझट का बनाना है।

हैप्पी होम लोन जर्नी यानी घर के सपने को साकार करने के सुखद अनुभव के अपने वादे के अनुरूप एबीएचएफएल का यह विस्तार ग्राहक–केंद्रित सेवाओं, जिम्मेदार ऋण वितरण और विविध खुदरा ऋण पोर्टफोलियो के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।



असदुद्दीन ओवैसी ने बिना नाम लिए पीएम मोदी पर कसा तंज

बोले–मेरी दाढ़ी सफेद हो गई मैं अभी तक सेट नहीं हुआ

नई दिल्ली। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी आजकल यूपी में बहुत समय दे रहे है। राजनीतिक रूप से हैदराबाद के बाहर बिहार और महाराष्ट्र के बाद यही उनके अगले टारगेट पर है। यहां वह अपनी रैलियों में मुस्लिम युवाओं को शादी करने और न करने का फायदा–नुकसान भी खूब बता रहे है। लेकिन, इस मुद्दे पर भी वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपनी सियासी भड़ास निकालने से नहीं बच रहे, अलबत्ता नाम नहीं ले पा रहे।

हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों में मुस्लिम वोट बैंक को समाजवादी पार्टी से तोड़ने के लिए जी जान से जुटे हुए है। यूपी में उन्होंने जो सभाएं की है, उसमें मुस्लिम युवाओं की अच्छी–खासी भीड़ जुट रही है। यही वजह है कि वह राजनीतिक बातें भी कर रहे हैं और शादी–विवाह और सफल वैवाहिक जीवन पर भी खूब टिप्स दे रहे है। पहले तो वह रैली में भाषण देते है और फिर वही वीडियो अपनी पार्टी के सोशल मीडिया हैडल पर भी शेयर करते है।

उन्होंने महाराष्ट्र के औरंगाबाद से एआईएमआईएम के पूर्व एमपी इम्तियाज जलील के नौजवान बेटे का जिक्र कर बताया कि जब उससे शादी करने को कहा तो उसने कहा कि नहीं असद अकल, अभी हमको सेट होना है।

मेरे भाई मेरी दाढ़ी व्हाइट हो गई है, मैं अभी तक सेट नहीं हुआ हूं। आप सेट नहीं होते, आप शादी करो, सेट हो जाता पूरा मामला। उन्होंने युवाओं को शादी करने का नसीहत देते हुए और बीवी को बार–बार आई लव यू का नसीहत देने के बाद, अपनी बात का सारा टॉपिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर घुमाने की कोशिश की, लेकिन बहुत ही सावधानी से नाम एक बार भी नहीं लिया।

आध्यात्मिक विकास केंद्र में 'माता की कहानी' का भव्य मंचन, दर्शक हुए मंत्रमुग्ध

पद्मश्री बलवंत ठाकुर के निर्देशन में नटरंग जम्मू की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की दिव्य गाथा से करवाया रूबरू

कटड़ा (अरुण शर्मा)। शारदीय नवरात्र महोत्सव 2026 के प्रमुख आकर्षण 'माता की कहानी' का सोमवार को कटड़ा स्थित आध्यात्मिक विकास केंद्र के श्रीधर ऑडिटोरियम में भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर दो शानदार शो प्रस्तुत किए गए, जिन्हे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक पहुंचे। पद्मश्री बलवंत ठाकुर की परिकल्पना, रूपरेखा, डिजाइन और निर्देशन में तैयार इस भव्य संगीतमय नाट्य प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

नटरंग जम्मू की ओर से श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड और पर्यटन निदेशालय जम्मू के सहयोग से प्रस्तुत इस कार्यक्रम में मां वैष्णो देवी की पौराणिक गाथा को आकर्षक नाटकीय अंदाज में दर्शाया गया। कलाकारों ने अपने अभिनय, संगीत, मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था और जीवंत दृश्यों के माध्यम से मां की दिव्य कथा को इस तरह प्रस्तुत किया कि दर्शक आध्यात्मिक अनुभूति से सराबोर हो गए।



प्रस्तुति में मां वैष्णो देवी की उत्पत्ति और उनकी दिव्य शक्तियों से जुड़ी पौराणिक कथा को प्रभावशाली ढंग से पेश किया गया। कथा के अनुसार, माता महाकाली, माता महालक्ष्मी और माता महासरस्वती ने अपनी सामूहिक आध्यात्मिक शक्ति और तेज को एकत्रित किया, जिससे माता वैष्णो देवी के दिव्य स्वरूप की महिमा प्रकट हुई। नाटक के माध्यम से श्रद्धालुओं को मां की शक्ति, आस्था, आत्मविश्वास और शांति के संदेश से भी अवगत करवाया गया।

तकनीक और कलात्मक प्रस्तुति ने छोड़ी अमिट छाप

'माता की कहानी' की सबसे खास बात इसकी उत्कृष्ट मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, दृश्य संयोजन और कलाकारों का शानदार अभिनय रहा। हर दृश्य को बारीकी से तैयार किया गया था, जिसने पूरी प्रस्तुति को जीवंत और प्रभावशाली बना दिया। देश के विभिन्न हिस्सों से आए श्रद्धालुओं ने इस प्रस्तुति की सराहना करते हुए इसे यादगार अनुभव बताया।

कई दर्शकों ने कहा कि उन्हें मां वैष्णो देवी की संपूर्ण पौराणिक कथा के विभिन्न पहलुओं की जानकारी इस प्रस्तुति के माध्यम से मिली। उन्होंने सुझाव दिया कि इस तरह के कार्यक्रम पूरे वर्ष आयोजित किए जाने चाहिए, ताकि कटड़ा आने वाले अधिक से अधिक श्रद्धालु मां की महिमा और उनकी गाथा से परिचित हो सकें।



अनुभवी कलाकारों और तकनीकी टीम ने निभाई अहम भूमिका

इस भव्य नाट्य प्रस्तुति में निर्देशन में नीरज कांत ने योगदान दिया, जबकि मंच सज्जा की जिम्मेदारी गौरव अगरोल, भविष्य अग्रवाल और राहुल गुप्ता ने संभाली। वेशभूषा एवं मंच सामग्री की व्यवस्था राहुल सिंह, पवन वर्मा, मोहम्मद यासीन और महिक्षित सिंह ने की। सभी मुख्य नृत्य संयोजन तथा शिवम सिंह ने प्रकाश व्यवस्था का दायित्व निभाया।

प्रस्तुति में नीरज कांत, सभी मुख्य, कनप्रीत कौर, अर्या शर्मा, पल्लवी शर्मा, खुशबू पंडिता, वाणी ठाकुर, मुस्कान गुप्ता, साक्षी गुप्ता, कैलाश सिंह, जानवी बिलारिया, वंशिका मनहास, अंशिका वजीर, दानिशी ठाकुर, अन्या शर्मा, नव्या शर्मा, रिधिमा देवी, साक्षी देवी, ईशानी शर्मा, रिंकनी, काश्वी, इशिता शर्मा, कीर्ति शर्मा, सुरेन्द्रा अगरोल, आर्यन शर्मा, संकेत भगत, कृष्मा, अरुण देव वर्मा, अरुण शर्मा, अमित राणा, नरेंद्र वर्मा, साहिल नरवालिया, पलविन दत्ता, मिहिर गुजराल, राधिका खजूरिया, कुशल भट्ट, मित ली शर्मा, भूमि शर्मा, प्रियल गुप्ता, लाल मोहम्मद, अरुण सागर, कृष्य भाटिया और आदेश धर सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

नवरात्र महोत्सव के दौरान आयोजित यह प्रस्तुति धार्मिक आस्था, संगीत और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम बनकर उभरी। कार्यक्रम ने श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की महिमा से जोड़ने के साथ कटड़ा के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वातावरण को भी विशेष गरिमा प्रदान की।

विसंगतियों का शिकार नयी पीढ़ी

नरेन्द्र मोदी बार–बार देश के भविष्य की बात करते है, उससे वे भाजपा की भूमिका भी रेखांकित करते हैं। लेकिन इस भविष्य में युवा कहा है, यह इस समय देश के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय होना चाहिए। क्योंकि असल में तो देश का भविष्य नयी पीढ़ी से ही बनेगा। लेकिन ये नयी पीढ़ी आज जिन समस्याओं और विसंगतियों का शिकार हो रही है, उस पर नरेन्द्र मोदी कुछ नही कह रहे है। ताजा उदाहरण नीट पेपर लीक मामले का है, जिस पर सीबीआई जांच आगे बढ़ाते हुए गिरफ्तारिया तो कर रही है, लेकिन अब तक शिक्षा मंत्री ने नैतिक आधार पर इस्तीफे की पेशकश नही की है। कई छात्रों ने पेपर लीक होने के अवसाद में आत्महत्या कर ली, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अफसोस के दो शब्द उनके लिए नही कहे। देश का मुखिया होने के नाते उन्हे सबसे पहले इस बात की फिक्र होनी चाहिए थी कि आखिर किसी भी नौजवान को इस बात की चिंता क्यों हुई कि एक परीक्षा रद्द हो गई तो उसके भविष्य का क्या होगा। सरकार युवाओं को इस बात की आश्वस्ति क्यों नही दे सकी कि आईंदा ऐसा नही होगा और न ही उसके भावी जीवन पर इससे कोई संकट आएगा।

राहुल गांधी समेत विपक्ष के लगभग तमाम नेता पेपर लीक के इस मामले में मोदी सरकार से जवाबदेही की मांग कर रहे है। लेकिन हमेशा की तरह सरकार विपक्ष की मांग की उपेक्षा कर रही है। मानो यह कोई राजनीति का विषय है, जिस में अपना वर्चस्व दिखाने के लिए विरोधी पक्ष को नीचा दिखाया जाए। सरकार इस नजरिए से क्यो नही सोच रही है कि पेपर लीक का शिकार बच्चे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का विषय नही है। पीड़ित बच्चे न किसी एक दल के समर्थक है, न उनके अभिभावक किसी दल विशेष के मतदाता, बल्कि ये तो देश का आने वाला कल है। ये बच्चे अगर आज अवसाद से ग्रसित हो रहे है, अपने साथ हो रहे अन्याय पर हताश हो रहे है और ऐसे में विपक्ष उनके हक में आवाज उठाए तो कायदे से सरकार को इसमें विपक्ष का सहयोग लेकर व्यवस्था को दुरुस्त करना चाहिए। लेकिन यहां सरकार से जिस उदार नजरिए की अपेक्षा है, वह पूरी तरह नदारद है। प्रधानमंत्री मोदी का यही रवैया पिछले 12 सालों से देश देख रहा है कि वे कभी भी पीड़ितों के पक्ष में खड़े नही दिखे। किसान, मजदूर, महिलाएं, आदिवासी, दलित, पिछड़े और अब छात्र, जिस भी वर्ग ने अपनी पीड़ा सरकार को बताने की कोशिश की, अपने हक की मांग सरकार के सामने रखी, उन्हें दमन का शिकार होना पड़ा।



सरकार अच्छे से जानती है कि नीट के पेपर पहली बार लीक नही हुए है, फिर भी उसका लापरवाह रवैया बना रहा, जबकि इससे लाखों छात्रों का भविष्य जुड़ा है। अभी सीबीआई जांच तो हो रही है, लेकिन व्यवस्था इससे सुधर पाएगी, यह सवाल उठ रहा है। क्योंकि सीबीआई जांच में जिस शिक्षिका मनीषा मधारे को इस पूरे घोटाले का मास्टरमाइंड बताया गया है, वह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में पेपर सेटिंग कमेटी की सदस्य रही है। पिछले पांच–छह सालों से प्रश्नपत्र तैयार करने में उनकी भूमिका रही है। यानी पेपर लीक एक–दो दिनों का काम नही है, उसके लिए बाकायदा योजना बनाई गई होगी। आरोपी शिक्षिका पेपर सेटिंग में अगर संलग्न थी, तो उन्हे वहा तक पहुंचाने वाले और फिर उनके जरिए पेपर लीक करके कई छात्रों से लाखों वसूल करके उन्हे मेडिकल में प्रवेश दिलाने वालों तक का पूरा गिरोह बना होगा। क्या इस गिरोह की सच्चाई कभी सामने आएगी। मध्यप्रदेश में व्यापम घोटाले को ही याद कर ले, जिसमें मामले को उठाने वालों, उस पर सवाल करने वालों की जान पर बन आई, लेकिन पीड़ितों को कोई इंसाफ नही मिला।

प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक या अन्य घोटालों के अलावा अभी जिस तरह स्कूली शिक्षा का हाल चल रहा है, वह भी सीधे बच्चों के भविष्य और उनके कोमल मन के साथ खिलवाड़ ही है। पाठ्यपुस्तकों को राजनैतिक एजेंडा पूरा करने का जरिया तो बना ही लिया गया है, प्रयोग के नाम पर बच्चों पर कभी भाषा, कभी नए विषयों का दबाव डाला जा रहा है। नए जमाने के हिसाब से अगर बच्चों को तैयार करना है तो इसके लिए शिक्षकों को पहले तैयार करना होगा, लेकिन कम अनुभवी, अप्रशिक्षित शिक्षकों के हवाले बच्चों को सौंपा जा रहा है। इसके अलावा जिस तरह बोर्ड परीक्षाएं ली जा रही है, वह भी बच्चों के भविष्य के साथ जुआ खेलने जैसा है।

अभी बुधवार को सीबीएसई ने 12वी कक्षा के नतीजे जारी किए, जिसमें 85.20 प्रतिशत छात्र ही उत्तीर्ण हो पाए है, यह पिछले साल के 88.39 प्रतिशत की तुलना में करीब तीन प्रतिशत कम है। इस बार सीबीएसई ने उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए पहली बार ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली लागू की। इसके तहत लगभग 98.67 लाख कॉपियों को स्कैन कर डिजिटल रूप से जांचा गया। बोर्ड का दावा है कि इससे मूल्यांकन प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और त्रुटिरहित हुई, और इसी वजह से परिणाम भी कम समय में घोषित किए जा सके। अब सोचने वाली बात यह है कि सीबीएसई परीक्षा करवाने और पेपर जांच कर समय पर परिणाम निकालने के लिए सुविस्तृत और सुविचारित योजना क्यो नहीं बनाती, ताकि उसे किसी बात की हड़बड़ी न रहे। डिजीटली पेपर जांच होना सुनने में अच्छा लगता है, लेकिन क्या इतने बड़े देश में जहां कुछ छात्रों को स्मार्ट कक्षाओं की विलासिता मिली है और कुछ के पास स्कूल में बुनियादी सुविधाएं भी नहीं है, क्या सारे बच्चों के पेपर इतने एक समान तरीके से हो पाए होंगे कि उन्हें डिजीटल जांचा जाए। इस काम में जितने भी शिक्षक लगे थे, क्या वे पूरी तरह से इसके लिए प्रशिक्षित थे। वैसे सीबीएसई ने दावा किया है कि इसकी मॉक ड्रिल कराई गई थी, लेकिन उसकी प्रभावोत्पादकता कितनी रही, यह कैसे तय किया गया। कई छात्रों का आरोप है कि डिजिटल मूल्यांकन में उनके विस्तृत उत्तरों का सही आकलन नही हुआ। वही सोशल मीडिया पर इसके खिलाफ एक ऑनलाइन याचिका पर 24 घंटे के भीतर 10 हजार से अधिक हस्ताक्षर किए जा चुके है, इससे समझ आता है कि छात्र और उनके अभिभावक इस नयी प्रणाली से संतुष्ट नही है। एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक कृष्णा कुमार का कहना है कि ओएसएम को जल्दबाजी में लागू किया गया और स्कैन की गई कॉपियों की गुणवत्ता व मूल्यांकन की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है।

डिजीटली पेपर जांच के अलावा स्कूलों में पढ़ाई का गिरता स्तर, नए तरीकों से बच्चों का सामजस्य न बिठा पाना, कोविड चंग कक्षाओं का दबाव जैसे कई कारक है जिनकी वजह से बारहवीं का परिणाम खराब हुआ और अब उसका असर बच्चों को स्नातक कक्षाओं में प्रवेश लेने के वक्त भुगतना पड़ेगा। यानी बड़ों की गलती का खामियाजा बच्चे लगातार भुगत रहे है, क्या ऐसे हम देश का भविष्य बनाएंगे।

Created by Universal Document Converter

किशोर कुमारः आवाज की वह जादुई दुनिया, जो आज भी लोगों के दिलों पर राज करती है

विश्वनाथ झा

"जिंदगी का सफर, है ये कैसा सफर३ कोई समझा नही, कोई जाना नही३""चलते–चलते मेरे ये गीत याद रखना, कभी अलविदा ना कहना३"ये पक्तिया केवल गीतों के बोल नही, बल्कि जीवन की अनिश्चितताओ, मानवीय संवेदनाओ और स्मृतियो मे अमर रहने वाली कला का भावपूर्ण प्रतिबिंब है। किशोर कुमार की आवाज मे जब ये शब्द गूजते है, तो लगता है मानो जीवन के अनकहे अनुभवो को स्वर मिल गया हो। उनकी गायकी मे प्रेम की कोमलता, विरह की वेदना, हास्य की खनक और जीवन–दर्शन की गहराई एक साथ अनुभव होती है। यही विलक्षणता उन्हे भारतीय फिल्म संगीत के इतिहास मे विशिष्ट स्थान प्रदान करती है।13 अक्टूबर को उनकी पुण्यतिथि पर उन्हे याद करना उस महान कलाकार की संगीतमय विरासत को नमन करना है, जिसकी आवाज समय की सीमाओ को पार कर आज भी करोड़ो दिलो मे बसी है। किशोर कुमार केवल एक लोकप्रिय पार्श्वगायक नही थे, बल्कि अभिनेता, संगीतक ार, गीतकार, निर्माता और निर्देशक के रूप मे भी उन्होने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। मौलिकता, प्रयोगधर्मिता और सहज अभिव्यक्ति उनकी कला के ऐसे गुण थे, जिन्होने उन्हे अलग पहचान दिलाई। उनकी सबसे बड़ी खूबी गीत के शब्दो मे छिपी भावनाओ को जीवत कर देना थी। वे कभी प्रेम की मिठास से मन को सराबोर करते, तो कभी विरह की पीड़ा से आखे नम कर देते थे। उनके गीतो मे जीवन के उल्लास, अकेलेपन, उम्मीदो और अधूरे सपनो की झलक मिलती है। यही कारण है कि उनकी आवाज आज भी पुरानी स्मृतियो को जगाती है और नई पीढ़ी को भी उतनी ही आत्मीयता से जोड़ती है। किशोर कुमार भले ही हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनके गीत सचमुच यही कहते है–चलते–चलते हमे याद रखना, कभी अलविदा न कहना।

खडवा से मुबई तक: आभास कुमार गागुली की संगीत यात्रा

4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खडवा मे जन्मे किशोर कुमार का मूल नाम आभास कुमार गागुली था। उनके बड़े भाई अशोक कुमार हिंदी सिनेमा के प्रतिष्ठित अभिनेता थे। हालाकि, किशोर कुमार ने अपनी प्रतिभा, मेहनत और प्रयोगधर्मिता के बल पर फिल्म जगत मे अलग पहचान बनाई। बचपन से ही संगीत और अभिनय के प्रति उनकी गहरी रुचि थी। औपचारिक शास्त्रीय संगीत प्रशिक्षण के बजाय उन्होने गीतो को सुनकर, अभ्यास करके और नए प्रयोगो के माध्यम से अपनी गायकी को निखारा। उनकी आवाज मे सुर, लय और भावो का अनूठा सगम था, जिसने उन्हे दूसरे गायको से अलग पहचान दिलाई। खडवा से मुबई तक का उनका सफर संघर्ष, रचनात्मकता और आत्मविश्वास की कहानी है। हिंदी सिनेमा मे पहले से स्थापित कलाकारो के बीच उन्होने अपनी विशिष्ट गायन शैली, सहज हास्यबोध और बहुमुखी प्रतिभा से दर्शको और श्रोताओ का दिल जीता। गायक होने के साथ–साथ वे अभिनेता, संगीतकार और फिल्म निर्माता के रूप मे भी सक्रिय रहे। सफलता की ऊचाइयो पर पहुचने के बावजूद खडवा से उनका भावनात्मक जुड़ाव बना रहा। उनका जीवन बताता है कि प्रतिभा और परिश्रम के साथ अपनी जड़ो से जुड़ाव भी व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

अभिनय से पार्श्वगायन तक: प्रतिभा के अनेक आयाम

किशोर कुमार की पहचान भले ही एक महान पार्श्वगायक के रूप मे रही हो, लेकिन उनकी शुरुआती फिल्मी यात्रा मे अभिनय का भी महत्वपूर्ण योगदान था। पर्दे पर उन्होने हास्य, चचलता और भावनात्मक सहजता का ऐसा अनूठा मेल प्रस्तुत किया, जिसने उन्हे अपने दौर के अन्य कलाकारो से अलग पहचान दिलाई। 'चलती का नाम गाड़ी', 'पड़ोसन', 'हाफ टिकट' और 'झुमरू' जैसी फिल्मो मे उनकी अभिनय प्रतिभा के विविध रग देखने को मिलते है। सवाद अदायगी, चेहरे के भावों और शारीरिक मुद्राओ से वे दृश्यो को जीवत बना देते थे। उनका हास्य स्वाभाविक था, इसलिए उनके कई दृश्य आज भी दर्शको को गुदगुदाते है। बाद मे पार्श्वगायन उनकी सबसे बड़ी पहचान बना। देव आनंद, राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन जैसे अभिनेताओ के लिए गाए गीतो ने उनकी लोकप्रियता को नई ऊचाई दी। किशोर कुमार की विशेषता थी कि वे हर पात्र और परिस्थिति के अनुरूप आवाज का अदाज बदल लेते थे। उनके स्वरो मे कहीं प्रेम की बेचैनी, कहीं जीवन का उल्लास और कहीं अकेलेपन की गहरी कसक सुनाई देती थी। अभिनय और गायन का यही अनूठा सगम उन्हे हिंदी सिनेमा का बहुमुखी कलाकार बनाता है।

आवाज की विशिष्टता: सहजता, भावाभिव्यक्ति और प्रयोग

किशोर कुमार की गायकी की असली विशेषता गीतो को भावनाओ से भर देने की क्षमता थी। उनकी आवाज मे स्वाभाविकता, खुलापन और अनूठा आकर्षण था। वे रोमाटिक गीतो मे कोमलता, तेज लय वाली रचनाओ मे ऊर्जा और उदासी भरे गीतो मे स्वर के ठहराव से श्रोताओ के मन को छू लेते थे। उनकी गायकी की विशिष्ट पहचान योडलिग भी थी। इस तकनीक मे आवाज के अलग–अलग स्वर–क्षेत्रो के बीच तेजी से बदलाव किया जाता है। किशोर कुमार ने इसे अपनी शैली का हिस्सा बनाकर हिंदी फिल्म संगीत मे लोकप्रियता दिलाई। इससे उनकी गायकी को विशिष्ट पहचान मिली। उनकी एक और खूबी थी शब्दो की स्पष्टता और भावो के अनुरूप प्रस्तुति। वे गीत के बोलो के अर्थ को अपनी आवाज के माध्यम से जीवत कर देते थे, जिससे साधारण शब्द भी गहरा प्रभाव छोड़ते थे। गीत की प्रकृति के अनुसार गायकी का अदाज बदलने की उनकी क्षमता अद्भुत थी। इसी लचीलेपन के कारण वे प्रेम, हास्य, विरह, दार्शनिक चिंतन और उल्लास जैसे विविध भावों को प्रभावशाली ढग से प्रस्तुत कर सके। यही बहु रगी प्रतिभा उन्हे हिंदी सिनेमा का विशिष्ट पार्श्वगायक बनाती है।



हिंदी फिल्म संगीत का स्वर्णिम दौर और किशोर कुमार

किशोर कुमार का संगीत सफर उस दौर मे विकसित हुआ, जब हिंदी फिल्म संगीत शास्त्रीय परपराओ, लोक धुनो, गजल और पश्चिमी संगीत के प्रभाव से नए प्रयोग कर रहा था। इस बदलते परिवेश मे उन्होने अपनी विशिष्ट गायकी से अलग पहचान बनाई। उनके समकालीन मोहम्मद रफी, मुकेश और मन्ना डे जैसे महान गायको ने भी फिल्म संगीत को समृद्ध किया। रफी की बहुमुखी प्रतिभा, मुकेश की भावपूर्ण आवाज और मन्ना डे की शास्त्रीय संगीत पर पकड़ के बीच किशोर कुमार ने सहजता, युवापन, ऊर्जा और प्रयोगधर्मिता का अनूठा रग जोड़ा। उनकी लोकप्रियता विशेष रूप से उस समय बढ़ी, जब फिल्मो मे युवा नायको और रोमाटिक कहानियो का प्रभाव मजबूत होने लगा। उनकी आवाज मे उत्साह, चचलता और भावनात्मक गहराई का ऐसा सगम था, जो बदलते दौर के नायको की छवि के अनुकूल बैठता था। उन्होने सरल मधुर धुनो से लेकर पश्चिमी संगीत से प्रभावित गीतो तक अपनी गायकी का विस्तार किया। बदलती संगीत शैली के अनुरूप स्वय को ढालने की उनकी क्षमता ने उन्हे लोकप्रिय गायक के साथ हिंदी फिल्म संगीत के विकास मे महत्वपूर्ण योगदान देने वाला कलाकार भी बनाया।

देव आनंद से राजेश खन्ना तक: रू पर्दे के नायको की आवाज़

पार्श्वगायन मे सफलता के लिए मधुर आवाज के साथ अभिनेता की छवि, अभिनय शैली और दृश्य की भावनाओ को समझना भी जरूरी है। किशोर कुमार ने इस कला मे असाधारण दक्षता दिखाई। देव आनंद के लिए गाए उनके गीतो मे रोमास, चचलता और आधुनिकता का सुंदर मेल था। 'गाइड' और 'ज्वेल थीफ' जैसी फिल्मो के संगीत ने इस सगम को खास पहचान दी। राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी हिंदी फिल्म संगीत के इतिहास मे यादगार रही। फिल्म 'आराधना' के 'मेरे सपनो की रानी' और 'रूप तेरा मस्ताना' जैसे गीतो ने किशोर कुमार की लोकप्रियता को नई ऊचाई दी। इनकी सफलता मे गायक, अभिनेता, संगीतकार और गीतकार के रचनात्मक तालमेल की अहम भूमिका थी। अमिताभ बच्चन के लिए गाए गीतों मे भी किशोर कुमार ने ऊर्जा और भावनात्मक गहराई का प्रभावशाली संगम प्रस्तुत किया। अलग–अलग अभिनेताओ के व्यक्तित्व के अनुरूप आवाज ढालने की उनकी क्षमता ने उन्हे हिंदी सिनेमा का विशिष्ट पार्श्वगायक बनाया।

सदाबहार गीत जीवन के विविध रगों की अभिव्यक्ति

किशोर कुमार के गीतो की लोकप्रियता का बड़ा कारण जीवन की विविध भावनाओ को स्वर देने की उनकी अद्भुत क्षमता थी। उनके रोमाटिक गीतो मे प्रेम की कोमलता, आकर्षण और चंचलता का सुंदर सगम मिलता है। 'ओ मेरे दिल के चैन मे आत्मीयता, 'मेरे सपनो की रानी' मे प्रेम का उल्लास और 'रूप तेरा मस्ताना' मे भावनाओ की सहज अभिव्यक्ति सुनाई देती है। 'जिंदगी एक सफर है सुहाना' जीवन को उत्साह से जीने की प्रेरणा देता है, जबकि 'मुसाफिर हू यारों' स्वतत्रता और निरतर आगे बढ़ने का भाव जगाता है। दूसरी ओर, 'जिंदगी के सफर मे गुजर जाते है जो मकाम' समय और स्मृतियो की सवेदनशील अनुभूति कराता है। 'कोई होता जिसको अपना' अकेलेपन की पीड़ा को अभिव्यक्त करता है, वही 'कुछ तो लोग कहेगे' सामाजिक आलोचनाओ के बीच अपने विवेक पर भरोसा रखने का संदेश देता है। हास्यप्रधान गीतो मे भी किशोर कुमार का अदाज बेमिसाल था। 'पड़ोसन' का 'एक चतुर नार, जिसमे मन्ना डे के साथ उनकी जुगलबदी है, और 'पाच रुपैया बारह आना' उनकी लय, नाटकीयता तथा हास्यबोध के उदाहरण है। इन गीतो की भावनात्मक व्यापकता ही उन्हे कालजयी बनाती है। वे कभी पुरानी यादे ताजा करते है, कभी दुख मे सात्वना देते है और कभी जीवन मे आगे बढ़ने का उत्साह जगाते है।

एसडी बर्मन और आरडी बर्मन के साथ रचनात्मक साझेदारी

किशोर कुमार की संगीत यात्रा मे एसडी बर्मन और आरडी बर्मन के साथ उनकी साझेदारी का विशेष महत्व रहा। दोनो संगीतकारो की अलग–अलग शैलियों को उनकी आवाज ने प्रभावशाली अभिव्यक्ति दी और हिंदी फिल्म संगीत को अनेक यादगार गीत मिले। एसडी बर्मन के निर्देशन मे किशोर कुमार की गायकी का भावनात्मक पक्ष निखरा। 'गाइड', 'ज्वेल थीफ' और 'आराधना' जैसी फिल्मो के गीतो मे भारतीय संगीत की सहजता, लोक धुनो की आत्मीयता और भावनाओ की गहराई का सुंदर मेल दिखाई देता है। वही, आरडी बर्मन के साथ उनकी जोड़ी ने आधुनिक संगीत प्रयोगो को लोकप्रिय बनाने मे योगदान दिया। पश्चिमी संगीत के प्रभाव, नए वाद्य यत्रों और नवीन लय के साथ भारतीय धुनो के मेल ने उनकी गायकी को नया आयाम दिया। 'अमर प्रेम' और 'आधी' जैसी फिल्मों का संगीत इस रचनात्मकता के उदाहरण है। इन साझेदारियो ने साबित किया कि यादगार गीत सामूहिक प्रतिभा से आकार लेते है। संगीतकार की धुन, गीतकार के शब्द, गायक की आवाज और अभिनेता का अभिनय मिलकर गीत को प्रभावशाली बनाते है। किशोर कुमार इस रचनात्मक संगम की महत्वपूर्ण कड़ी थे।

गायक से आगे: गीतकार, संगीतकार और फिल्म निर्माता

किशोर कुमार की बहुमुखी प्रतिभा केवल पार्श्वगायन तक सीमित नहीं थी। उन्होने अभिनय, संगीत रचना और फिल्म निर्माण के माध्यम से भी अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्त किया। 'झुमरू' और 'दूर गगन की छाव मे' जैसी फिल्मो मे उनकी स्वतत्र कलात्मक दृष्टि दिखाई देती है। विशेष रूप से 'दूर गगन की छाव मे' मे पिता–पुत्र के सबधो और मानवीय सवेदनाओ को भावपूर्ण ढग से प्रस्तुत किया गया है। हास्य प्रधान अभिनय, गायकी मे योडलिग और फिल्म निर्माण मे नए प्रयोग उनकी मौलिक सोच के उदाहरण है। वे परपराओ से सीखते हुए अपनी अलग राह बनाने मे विश्वास रखते थे। उनका जीवन साबित करता है कि सच्ची रचनात्मकता किसी एक विधा की सीमाओ मे बधी नही रहती।

भाषाई विविधता और भारतीय संगीत से आत्मीय सबध

किशोर कुमार की लोकप्रियता हिंदी फिल्म संगीत तक सीमित नही रही। उन्होने बगाली सहित कई भारतीय भाषाओ मे गीत गाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। बगाली संगीत से उनका विशेष लगाव था और फिल्मी तथा गैर–फिल्मी गीतो के माध्यम से उन्होने वहा भी श्रोताओ का दिल जीता। भारत जैसे बहुभाषी देश मे संगीत विभिन्न संस्कृतियो को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। भाषा बदलने के बावजूद प्रेम, विरह, उल्लास और अकेलेपन जैसी भावनाए सबके मन को छूती है। किशोर कुमार की गायकी ने इन संवेदनाओ को भाषाई सीमाओ से परे पहुचाया। उनकी कला आज भी सास्कृतिक विविधता के बीच भावनात्मक एकता का प्रतीक है।

निजी जीवन और व्यक्तित्व के विविध रग

किशोर कुमार का सार्वजनिक व्यक्तित्व चचल, हास्यपूर्ण और अप्रत्याशित था। उनके अनोखे व्यवहार और पारपरिक फिल्मी तौर–तरीकों से अलग रहने के अनेक किस्से प्रचलित है। हालाकि, उनकी पहचान केवल इन रोचक प्रसगों तक सीमित नही थी। वे रचनात्मक स्वतत्रता को महत्व देते थे और अपनी मौलिकता बनाए रखने के लिए अलग राह चुनने से नही हिचकते थे। उनके जीवन मे पारिवारिक सबधों, भावनात्मक अनुभवों और पेशेवर चुनौतियो के विविध पहलू रहे। इनका उनकी कला पर प्रभाव समझते समय सावधानी आवश्यक है। किसी गीत मे व्यक्त अकेलेपन को उनके निजी जीवन का सीधा प्रतिबिंब नही माना जा सकता। फिर भी उनकी संवेदनशील गायकी श्रोताओ को गहरी मानवीय भावनाओ से जोड़ती है।

पुरस्कार और सम्मान लोकप्रियता से परे उपलब्धिया

किशोर कुमार को श्रोताओ का अपार प्रेम मिला और फिल्म जगत ने भी उनके योगदान को सम्मान दिया। उन्हे सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक के लिए आठ फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुए। मध्य प्रदेश सरकार ने उन्हे लता मगेशकर पुरस्कार से भी सम्मानित किया। उनके जन्म स्थान खडवा मे उनकी स्मृति को सजोने के प्रयास और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित किशोर कुमार सम्मान उनके सास्कृतिक महत्व को रेखाकित करते है। हालाकि, उनकी उपलब्धियो का आकलन केवल पुरस्कारो से नही किया जा सकता। उनकी सबसे बड़ी सफलता यह है कि गीत लोगो की निजी स्मृतियों और भावनाओ का हिस्सा बन गए। रेडियो से लेकर डिजिटल मचो तक उनकी आवाज आज भी गूजती है और नई पीढ़ियो को आकर्षित करती है।

आपातकाल का दौर: कला और स्वतत्रता का प्रश्न

किशोर कुमार के जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण प्रसग 1975 से 1977 के आपातकाल के दौरान का है। इस अवधि मे तत्कालीन सरकार और फिल्म जगत के कुछ कलाकारो के बीच मतभेद सामने आए। सरकारी कार्यक्रम मे प्रस्तुति देने को लेकर किशोर कुमार से जुड़ा विवाद भी इसी सदर्भ में चर्चित रहा। इस विवाद के बाद उनके गीतो के आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारण पर प्रतिबध लगा दिया गया था। यह घटना कलाकार की स्वतत्रता और सत्ता के सबधो पर विचार करने का अवसर देती है। लोकतत्र मे कला मनोरजन के साथ विचारों और मानवीय अनुभवो की अभिव्यक्ति का माध्यम भी है। इसलिए इस प्रसग को सनसनीखेज बनाने के बजाय प्रमाणित तथ्यो और ऐतिहासिक सदर्भों के आधार पर समझना जरूरी है।

13 अक्टूबर 1987: एक युग का अवसान

13 अक्टूबर 1987 को 58 वर्ष की आयु मे किशोर कुमार का निधन हो गया। उनके जाने से भारतीय फिल्म संगीत को अपूरणीय क्षति हुई, लेकिन उनकी आवाज और रचनात्मक विरासत आज भी जीवत है। वे अपने पीछे ऐसे गीत और फिल्मे छोड़ गए, जो पीढ़ियो से संगीत प्रेमियो को आकर्षित कर रहे है। फिल्मो, रेडियो और डिजिटल माध्यमो ने उनके संगीत को नई पीढ़ियो तक पहुचाया है। उनकी गायकी मे प्रेम, विरह, हास्य, आशा और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टि के विविध रग मिलते है। समय के साथ संगीत की शैलिया और तकनीके बदलती रही है, लेकिन मानवीय भावनाए सदैव प्रासगिक रहती है। किशोर कुमार ने इन्ही सदैव दनाओ को अपनी सहज और प्रभावशाली आवाज में पिरोया। यही कारण है कि उनका संगीत समय की सीमाओ से परे आज भी श्रोताओ के दिलो मे बसा है।

नई पीढ़ी के बीच किशोर कुमार की प्रासगिकता

आज संगीत सुनने के माध्यम बदल गए है। रेडियो और ग्रामोफोन के दौर से आगे बढ़कर संगीत मोबाइल फोन, इटरनेट और डिजिटल मचो तक पहुच चुका है। इसके बावजूद किशोर कुमार के गीतो का आकर्षण आज भी बरकरार है। उनकी आवाज की स्वाभाविकता, भावनात्मक गहराई और अभिव्यक्ति की सहजता उन्हे नई पीढ़ी के श्रोताओ के बीच भी लोकप्रिय बनाए हुए है। आज के युवा उनके गीत सुनते है, गाते है और नए संगीत सयोजनो मे प्रस्तुत करते है। हालाकि, किसी रचना की स्थायी लोकप्रियता केवल नए सस्करणो पर निर्भर नही होती, बल्कि उसके मूल स्वर, शब्दों की स्पष्टता और भावों की सच्चाई मे निहित होती है। किशोर कुमार की गायकी संगीत सीखने वालो के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उनकी प्रस्तुतिया स्वर पर नियत्रण, लय की समझ, उच्चारण की शुद्धता और भावो की प्रभावी अभिव्यक्ति का महत्व समझाती है। उनकी शैली से प्रेरणा लेते हुए अपनी मौलिक पहचान बनाना ही उनके प्रति सच्चा कलात्मक सम्मान है। उनकी कला मे हास्य और गभीरता, उल्लास और उदासी का अद्भुत सतुलन था। यही भावनात्मक व्यापकता उन्हे कालजयी कलाकार बनाती है।

आवाज अमर होती है, जब वह दिलो मे बस जाती है

किशोर कुमार की पुण्यतिथि उस महान कलाकार को याद करने का अवसर है, जिसने अपनी बहुमुखी प्रतिभा से भारतीय संगीत को असाधारण समृद्धि प्रदान की। खडवा के आभास कुमार गागुली से हिंदी सिनेमा के लोकप्रिय किशोर कुमार बनने तक की उनकी यात्रा सघर्ष, प्रयोग, स्वतत्रता और रचनात्मकता की प्रेरक कहानी है। गायन, अभिनय, संगीत रचना और फिल्म निर्माण के क्षेत्र मे उन्होने अपनी प्रतिभा के विविध आयाम प्रस्तुत किए। उनकी गायकी की सबसे बड़ी विशेषता भावनाओ को सहजता और प्रभावी ढग से अभिव्यक्त करना था। वे प्रेम को मधुरता, विरह को मार्मिकता और हास्य को चचलता प्रदान करते थे। उनके गीतो मे जीवन के दर्शन के साथ आम आदमी की खुशिया, उम्मीदे, कमजोरिया और सपने भी झलकते है। यही आत्मीयता श्रोताओ को उनके संगीत से जोड़ती है। किशोर कुमार ने अपनी मौलिकता और प्रयोगधर्मिता से हिंदी फिल्म संगीत को नई पहचान दी। उनकी आवाज ने अनेक अभिनेताओ के पर्दे के व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाया और संगीतकारो की कल्पना को व्यापक श्रोता वर्ग तक पहुचाया। उनकी गायकी यह सिखाती है कि रचनात्मक स्वतत्रता और अपनी विशिष्ट शैली किसी कलाकार को कालजयी बना सकती है। आज उनकी पुण्यतिथि पर उन्हे याद करना केवल अतीत का स्मरण नही, बल्कि उस कला के प्रति सम्मान व्यक्त करना है, जो मनुष्य को अपनी भावनाओ से जोड़ती है और जीवन के प्रति विश्वास जगाती है। किशोर कुमार भले ही हमारे बीच नही है, लेकिन उनकी आवाज मे प्रेम, विरह, हास्य और जीवन के अनगिनत रग आज भी जीवत है। उनकी संगीत–साधना आने वाली पीढ़ियो को प्रेरित करती रहेगी और उनकी आवाज संगीत प्रेमियो के दिलो मे सदैव गूजती रहेगी।

Created by Universal Document Converter

जीएम डीआईसी अभिषेक अबरोल और केशव चोपड़ा ने रिलीज किया भक्ति भजन बावे वाली दी लाडली

जम्मू। जिला उद्योग केंद्र जम्मू के महाप्रबंधक अभिषेक अबरोल ने मुख्य अतिथि के रूप में, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता एवं संवेदना सोसाइटी के अध्यक्ष केशव चोपड़ा तथा विशेष अतिथियों के रूप में डीआईसी जम्मू की कार्यात्मक प्रबंधक रुही खजुरिया, डीआईसी जम्मू की कार्यात्मक प्रबंधक रूपिंदर कौर और डीआईसी जम्मू के अनुभाग अधिकारी मनोज कुमार गडोत्रा की उपस्थिति में आज डीआईसी कार्यालय जम्मू में भक्ति भजन बावे वाली दी लाडली को रिलीज किया। रजनी सूफी म्यूजिक द्वारा प्रस्तुत यह भक्ति परियोजना बावे वाली माता को समर्पित है और यह जम्मू–कश्मीर की समृद्ध आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाती है।

अवसर पर बोलते हुए अभिषेक अबरोल ने बावे वाली माता को समर्पित एक भक्ति रचना तैयार करने के उनके प्रयासों के लिए रजनी सूफी और पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की रचनात्मक पहल क्षेत्र की आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित करने में मदद करती है और साथ ही स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने टीम को उनकी लगन के लिए बधाई दी और रचनात्मकता, प्रतिभा व उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उपयुक्त पहलों के लिए जिला उद्योग केंद्र, जम्मू की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार के अवसर तलाशने और क्षेत्र के आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया।

केशव चोपड़ा ने अपने संबोधन में कहा कि इस क्षेत्र में असीम कलात्मक क्षमता है और प्रतिभाशाली गायकों, संगीतकारों तथा अन्य रचनात्मक पेशेवरों को प्रोत्साहन एवं पहचान मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि



संवेदना सोसाइटी अपनी क्षमता और पहलों की उपयुक्तता के अनुसार कलाकारों का समर्थन और प्रचार करना जारी रखेगी ताकि स्थानीय प्रतिभाएं व्यापक दर्शकों तक पहुंच सकें और अधिक ख्याति प्राप्त कर सकें। चोपड़ा ने आकांक्षी उद्यमियों का समर्थन करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने के अवसर पैदा करने में जिला उद्योग केंद्र की भूमिका की भी सराहना की।

युवाओं को संदेश देते हुए चोपड़ा ने उनसे नशों से दूर रहने और अपनी ऊर्जा को संगीत, खेल, उद्यमिता और अन्य रचनात्मक कार्यों जैसी सकारात्मक गतिविधियों में लगाने की अपील की। इस भजन में रजनी सूफी ने गायिका, गीतकार और संगीतकार की भूमिका निभाई है जबकि संगीत डॉ. वी. कैश ने दिया है। इस प्रोजेक्ट की निर्माता सना है जिसमें पीयूष चाड़क डीओपी (कैमरा निदेशक), मोहित सिंह सहायक निदेशक और आरवी रिकी वीडियो निदेशक हैं। यह प्रोजेक्ट द आरवी फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है और इसका डिजाइन कपिल क्रिएशंस द्वारा किया गया है। रजनी सूफी ने अपनी इस भक्ति यात्रा के लिए अपने माता–पिता, सास–ससुर और गुरु जी–उस्ताद नरेश डोगरा के आशीर्वाद के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर निर्मय सलाधिया, अशोक कुमार, रवि कुमार, अमित कुमार, सध्या महाजन, अमित मीनिया और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत कमान पोस्ट पर पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए एक बैठक आयोजित की

उरी। पूर्व सैनिकों के कल्याण और स्थानीय सैनिक, तो हमेशा सैनिक की भावना को दर्शाता है की समावनाए शामिल थी। यह कार्यक्रम एक बार लोगों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करने की अपनी लगातार कोशिशों के तहत, भारतीय सेना ने डैगर डिवीजन और कालापहाड़ ब्रिगेड की देखरेख में ऑपरेशन सद्भावना के तहत कमान पोस्ट पर पूर्व सैनिकों के कल्याण के लिए एक बैठक आयोजित की।



इस पहल का मकसद पूर्व सैनिकों की चिंताओं को दूर करना, सरकार की अलग–अलग कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और युवा पीढ़ी को भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना था।

इस बैठक में बटालियन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सात गांवों के 30 से ज़्यादा पूर्व सैनिकों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम ने पूर्व सैनिकों को सेना के साथ फिर से जुड़ने, अपने अनुभव साझा करने और कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी हासिल करने का मौका दिया।

भाग लेने वालों को अग्निपथ योजना के बारे में भी जानकारी दी गई, जिसमें योग्यता की शर्तें, भर्ती प्रक्रिया, ट्रेनिंग के मौके, आर्थिक लाभ और करियर और उन लोगों के साथ भारतीय सेना के अटूट रिश्ते को फिर से पक्का करता है जिन्होंने सम्मान और गर्व के साथ देश की सेवा की है।

एआईएसीएटीएफएफ ने गांधी नगर जम्मू में नए आफिस का किया उद्घाटन

नेशनल प्रेसिडेंट डा. विवेक गुरु जी महाराज ने किया उद्घाटन किया, एमएलए विक्रम रंधावा समेत कई प्रमुख हस्तियां रहीं मौजूद

जम्मू। जम्मू–कश्मीर में अपनी संगठनात्मक मौजूदगी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए आल इंडिया एंटी करप्शन एंड एंटी टेररिस्ट फ्रंट फाउंडेशन ने 117ए/डी ग्रीन बेल्ट पार्क गांधी नगर, जम्मू में अपने नए आफिस का उद्घाटन किया। आफिस का उद्घाटन संगठन के नेशनल प्रेसिडेंट डा. विवेक गुरु जी महाराज ने किया। इस मौके पर एमएलए विक्रम रंधावा के साथ–साथ बिजनेस, इंडस्ट्री और सामाजिक क्षेत्रों की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद थीं।

मौजूद लोगों में एआईएसीएटीएफएफ के स्टेट प्रेसिडेंट और जम्मू चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनिल गुप्ता, एआईएसीएटीएफएफ के स्टेट सीनियर वाइस प्रेसिडेंट कुलभूषण गुप्ता (मन्नू), जम्मू सेंट्रल महाजन एसोसिएशन आफ इंडस्ट्रीज गंग्याल के पूर्व प्रेसिडेंट बलबीर गुप्ता और डा. दारा सिंह के



साथ–साथ कई अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां और संगठन के सदस्य शामिल थे। सभा को संबोधित करते हुए डा. विवेक गुरु जी महाराज ने भ्रष्टाचार और आतंकवाद से निपटने में जन–जागरूकता, पारदर्शिता, ईमानदारी और सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पदाधिकारियों और सदस्यों को समाज के कल्याण के लिए सक्रिय रूप से काम करने और ईमानदारी व जन–सेवा के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस मौके पर बोलते हुए अनिल गुप्ता ने कहा कि फाउंडेशन भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता पैदा करने, सामाजिक जिम्मेदारी को प्रोत्साहित करने और जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा जताया कि नया आफिस पूरे जम्मू–कश्मीर में सगठनात्मक गतिविधियों, लोगों से बातचीत और समाज कल्याण की पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काम करेगा।

कुलभूषण गुप्ता (मन्नू) ने भी संगठन को मजबूत करने और समाज के लाभ के लिए इसकी गतिविधियों का विस्तार करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। यह उद्घाटन जम्मू–कश्मीर में एआईएसीएटीएफएफ के विस्तार में एक अहम पड़ाव है जो जन–सेवा, सामाजिक जागरूकता और भ्रष्टाचार व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

एनआईटी श्रीनगर में दो दिवसीय मेगा आई स्क्रीनिंग कैंप शुरू, पहले दिन 332 मरीजों की जांच

जम्मू/श्रीनगर। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एनआईटी) श्रीनगर की मेडिकल यूनिट ने कश्मीर आई हास्पिटल्स के सहयोग से संस्थान परिसर में दो दिवसीय मेगा आई स्क्रीनिंग एवं जागरूकता कैंप का आयोजन किया। 13 और 14 अक्टूबर को आयोजित इस शिविर का उद्देश्य छात्रों और कर्मचारियों को आखों की सेहत के प्रति जागरूक करना तथा दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान सुनिश्चित करना है। कैंप के पहले दिन कुल 332 मरीजों की आखों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया।

एनआईटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. अनुराग मिश्रा ने कहा कि संस्थान अपने छात्रों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बेहतर स्वास्थ्य



पढ़ाई, लेखन और सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। ऐसे स्क्रीनिंग कैंप छात्रों को निवारक स्वास्थ्य देखभाल और समय पर डाक्टर से परामर्श लेने के महत्व को समझने में मदद करते हैं। प्रो. मिश्रा ने ग्लूकोमा की जांच पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यह आखों की एक गंभीर बीमारी है जिसका समय पर पता नहीं चलने और उपचार न होने पर स्थायी दृष्टि हानि हो सकती है। उन्होंने नियमित नेत्र जांच, शुरूआती पहचान और समय पर विशेषज्ञों से परामर्श को दृष्टि संबंधी समस्याओं से बचाव के लिए महत्वपूर्ण बताया।

कश्मीर आई हास्पिटल्स के निदेशक डा. आदिल मजीद मीर ने कहा कि इस शिविर के माध्यम से लोगों को आखों की जांच कराने और विशेषज्ञों से सलाह लेने का अवसर मिला। उन्होंने विद्यार्थियों को धुंधला दिखाई देने, आखों में तनाव या लगातार बेचैनी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी। कैंप के दौरान डा. जसिया और डा. रीम जावेद सहित 12 चिकित्सा पेशेवरों की टीम ने मरीजों की जांच और उपचार संबंधी परामर्श दिया। एनआईटी श्रीनगर की मेडिकल आफिसर डा. गौहर नबी ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को परिसर के जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना जरूरी है। यह शिविर 14 अक्टूबर को भी जारी रहेगा जिसमें छात्रों और अन्य लोगों को आखों की जांच तथा विशेषज्ञों से परामर्श लेने का अवसर मिलेगा।



Printer, Publisher, Owner, Editor by: Sanktha Prasad Singh Published from: 1408, G H Skara, Near Ladakh Public School, Leh-Ladakh, Ladakh - 194101, Published from: Ladakh Imperial Printing press, Gh Skara, Near Ladakh Public School, Leh Ladakh, 194104, Mob.: Mob.: 9818069272, 8287390112, Email: ladakhtoday@gmail.com
**All disputes are subject to the exclusive jurisdiction of competent courts and forums in Leh - city.

Created by Universal Document Converter